www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
24 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 32 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

आजम खां की सजा तीन साल बढ़ी, अब 10 साल की जेल

● अब्दुल्ला की सात वर्ष की सजा बरकरार

रामपुर (एजेंसी)। सपा नेता आजम खां और बेटे अब्दुल्ला आजम से जुड़े दो पैन कार्ड मामले में एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सरकार की अपील मंजूर करते हुए आजम खां की सजा सात वर्ष से बढ़ाकर 10 साल कर दी है। साथ ही उन पर लगाया गया 50 हजार रुपये का जुमार्ना बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है। हालांकि अब्दुल्ला आजम को राहत मिली है। उनकी सात साल की सजा बरकरार रखी गई है लेकिन जुमार्ने की राशि बढ़ा दी गई। पहले उन पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। जिसे बढ़ाकर चार लाख रुपये कर दिया गया है। यानी जुमार्ने में साढ़े तीन लाख रुपये की बढ़ोतरी की गई है।इस मामले में नवंबर 2025 में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आजम खां और अब्दुल्ला आजम दोनों को सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी। फैसले के बाद बचाव पक्ष ने सजा के खिलाफ अपील दाखिल की थी, जबकि अभियोजन पक्ष ने सजा बढ़ाने की मांग को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील की थी।

नागालैंड पुलिस की अपील: भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्टों से बचें

● राज्य में न फैलने दें मणिपुर हिंसा का असर

कोहिम (एजेंसी)। पड़ोसी राज्य मणिपुर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और वहां भड़की जातीय हिंसा की चिंगारी नागालैंड तक पहुंचने की आशंका गहराने लगी है। इस नाजुक मोड़ पर नागालैंड पुलिस ने राज्य के नागरिकों से शांति, सांप्रदायिक सौहार्द और अत्यधिक सतर्कता बरतने की पुरजोर अपील की है। नागालैंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रूपिन शर्मा ने जनता से बेहद जिम्मेदारी से व्यवहार करने का आग्रह किया है। उन्होंने साफ कहा कि लोग किसी भी असत्यापित जानकारी, अफवाहों या भड़काऊ सोशल मीडिया सामग्री को आगे शेयर या फॉरवर्ड न करें। ऐसी हरकतें समाज में भय, गलतफहमी और सांप्रदायिक तनाव पैदा कर सकती हैं।शुक्रवार को जारी आधिकारिक अपील में पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए झूठे और भ्रामक आख्यानों के प्रसार को लेकर गंभीर चेतावनी दी। पुलिस का कहना है कि आज के एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले दौर में फर्जी खबरें बनाना और उन्हें फैलाना पहले से कहीं ज्यादा आसान और खतरनाक हो चुका है।

विधि विधान से खुले श्री हेमकुंड साहिब के कपाट

-देशभर से आए 6 हजार 500 श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारे में टेका मत्था
– जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारों से गुंजायमान हुई घाटी

चमोली(आरएनएस)। सिखों के पवित्र स्थल श्री हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार को विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। कपाट खुलने के अवसर पर पूरी घाटी जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारों से गुंजायमान रही। घांघरिया से पंज प्यारों की अगुवाई में श्रद्धालुओं का जत्था हेमकुंड साहिब के लिए रवाना हुआ। पंजाब से आए बैंड की मधुर ध्वनि के साथ सुबह करीब नौ बजे गुरुग्रंथ साहिब को सचखंड साहिब से दरबार साहिब में सुशोभित किया गया। इसके बाद सुखमनी का पाठ किया गया। रागी भाई सुखदीप सिंह ने कीर्तन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात दोपहर करीब 12 बजे गुरुद्वारे के ग्रंथी सरदार हमीर सिंह ने इस साल की पहली अरदास पढ़ी और एक बजे हुकुमनामा लिया गया। इसके साथ ही यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो गया। 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित हेमकुंड साहिब में पहुंचे सिख श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में डुबकी लगाकर स्नान किया और फिर गुरुद्वारे में मत्था टेका। दोपहर तक श्रद्धालु हेमकुंड साहिब में पहुंचते रहे। गुरुद्वारा ट्रस्ट के

अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने आस्था पथ से बर्फ हटाकर मार्ग को सुचारु बनाने के लिए भारतीय सेना की ओर से की गई सेवा के लिए उनका आभार व्यक्त किया।गुरुद्वारा के वरिष्ठ प्रबंधक सेवा सिंह ने देश–विदेश से आए श्रद्धालुओं को गुरु गोविंद सिंह के पावन धाम से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पहले दिन करीब 6500 श्रद्धालुओं ने हिम सरोवर में स्नान करने के बाद गुरुद्वारे में मत्था टेका। गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से भारतीय सेना के ब्रिगेडियर गौरव बत्रा व कर्नल वीरेंद्र को सेना द्वारा आस्था पथ पर किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सिरोपा प्रदान किया। साथ ही भीड़ प्रबंधन में बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए कोतवाली गोविंदघाट प्रभारी चित्रगुप्त और एसआई अमनदीप को भी सिरोपा से सम्मानित किया।

गुरुद्वारा ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने हेमकुंड पहुंचे संगत से गुरुद्वारा परिसर में फोटो खींचने व वीडियो बनाने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह पवित्र स्थान है, यहां की गरिमा व पवित्रता बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। हेमकुंड साहिब के आस्था पथ पर अभी भी बर्फ जमी हुई है। वहीं हेमकुंड गुरुद्वारा परिसर के आसपास भी काफी मात्रा में बर्फ है। श्रद्धालुओं के लिए मई के महीने में बर्फ के बीच से गुजरने का रोमांच ही कुछ अलग रहा। मैदानी क्षेत्रों में जहां लोग हीट वेव से जूझ रहे हैं वहीं हेमकुंड साहिब के मार्ग पर बर्फ के बीच से श्रद्धालु गुजर रहे हैं।

19वें रोजगार मेले में 51000 युवाओं को जॉब लेटर मिले

पीएम बोले: अब आप देश की विकास यात्रा में शामिल, 12.50 लाख से ज्यादा को मिल चुकी नौकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 51 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी के लिए अपॉइंटमेंट लेटर दिए। इसमें चुने गए युवाओं को रेलवे, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य विभाग, वित्तीय सेवा और उच्च शिक्षा समेत कई सरकारी विभागों में नौकरी मिली। देश के 47 शहरों में हुए 19वें रोजगार मेले में ढट मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। उन्होंने युवाओं से बातचीत भी करेंगे। इससे पहले देशभर में 18 रोजगार मेले हो चुके हैं, जिनमें करीब 12 लाख युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर दिए जा चुके हैं। पीएम मोदी बोले- 5 देशों की इस यात्रा के दौरान मैंने कई देशों की बड़ी कंपनियों के नेताओं के साथ बातचीत की। हमारी विस्तृत चचाएं और बैठकें हुईं। हर जगह, मैंने लगातार एक बात महसूस की, दुनिया भारत के युवाओं और भारत

की तकनीकी प्रगति को लेकर बेहद उत्साहित है। प्रधानमंत्री ने कहा- नीदरलैंड्स से सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, कृषि पर चर्चा हुई। स्वीडन के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल नवाचार में सहयोग पर चर्चा हुई। नॉर्वे के साथ ग्रीन टेक्नोलॉजी और समुद्री सहयोग पर चर्चा आगे बढ़ी, और साझेदारी को लेकर समझौते हुए। ग्रीन ट्रांजिशन और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी में स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों के साथ सहयोग भी बढ़ रहा है। UAE और नॉर्वे के साथ साझेदारियां भारत के जहाज निर्माण इकोसिस्टम को मजबूत करेंगी।" मोदी बोले- हमें यह याद रखना चाहिए कि ये वे क्षेत्र हैं जिनमें आने वाले निवेश और साझेदारियां अगले चार दशकों तक वैश्विक विकास को आकार देंगे। इसमें भारत के युवा बहुत बड़ी भूमिका निभाएंगे। इसे पहले, मोदी ने पर पोस्ट में लिखा- सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य और उन्हें मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले से युवाओं को सरकारी नौकरी पाने का मौका मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। तब पीएम ने कहा था- हमारा लक्ष्य देश के युवाओं को 2023 के आखिर तक 10 लाख सरकारी नौकरियां देना था। लोकसभा चुनाव से पहले 12 फरवरी 2024 को 12वां रोजगार मेला आयोजित हुआ था, जिसमें सबसे ज्यादा 1 लाख जॉब लेटर बांटे गए थे। 11 लाख का आंकड़ा 2025 में पूरा हुआ था। पीएम मोदी ने 18वें रोजगार मेले में युवाओं को 61 हजार जॉब लेटर बांटे। ये नियुक्ति गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों में की गई है। पीएम ने वर्चुअली संबोधन में कहा कि युवाओं को नए अवसर मिलें, ये हमारा प्रयास है।

सीधी में जिंदा जलने से 3 बच्चों की मौत

▶ 3-6 साल तक के थे, स्पार्किंग से भड़की आग

सीधी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में कच्चे मकान में लगी भीषण आग में तीन मासूम बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे घर को चपेट में ले लिया। अंदर मौजूद बच्चे बाहर नहीं निकल सके। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश शुरू की, लेकिन तब तक बच्चों की मौत हो चुकी थी। मृत बच्चों की पहचान डेढ़ वर्षीय रिधि साकेत, 6 वर्षीय धुम्मू उर्फ संध्या साकेत और 3 वर्षीय एक अन्य बच्चे के रूप में हुई है। सभी जमोड़ी के काशीहवा गांव के रहने वाले थे। हादसा शनिवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। गांव के पुष्पराज मिश्रा ने बताया कि घर के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन में स्पार्किंग हुई। चिंगारी पास में रखे बांस और सूखे सामान पर गिरी, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते पूरा कच्चा मकान आग की लपटों में घिर गया। घटना के समय घर बाहर से बंद था और अंदर तीनों बच्चे मौजूद थे। बच्चों की मां घर से जाते समय दरवाजा बाहर से बंद कर गई थी, जिससे बच्चे अंदर ही फंस गए। जमोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम काशीहवा में शनिवार दोपहर करीब 1 बजे आग लगी थी। सूचना मिलने के करीब आधे घंटे बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन तब तक तीनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। बच्चों के पिता रामरतन साकेत ने बताया कि उन्हें उनके सुपरवाइजर का फोन आया था, जिसने घर में आग लगने की जानकारी दी।

एक्ट्रेस ट्विशा का पति समर्थ 7 दिन की रिमांड पर: पासपोर्ट जब्त करने के आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा केस में आरोपी पति समर्थ सिंह को शनिवार को भोपाल जिला कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने समर्थ की 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली। वहीं, ट्विशा के परिजनों की ओर से दिए गए आवेदन पर कोर्ट ने समर्थ का पासपोर्ट जब्त करने के भी आदेश दिए हैं। शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे पुलिस समर्थ को जबलपुर से भोपाल लेकर पहुंची थी। उसे कटारा हिल्स थाने में रखा गया। थाने के बाहर बैरिकेडिंग कर फोर्स तैनात रही। कोर्ट में पेश करने से पहले पुलिस ने भोपाल के जेपी

हॉस्पिटल में उसका मेडिकल टेस्ट भी कराया। ट्विशा के शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम रविवार को होगा। इसके लिए अक्कटर दिल्ली ने चार वरिष्ठ डॉक्टरों की मेडिकल टीम बनाई है। यह टीम आधुनिक उपकरणों के साथ आज शाम 6 बजे राज्य सरकार के चार्टर्ड विमान से रवाना होगी और रात तक भोपाल पहुंच जाएगी। इधर, ट्विशा शर्मा के आखिरी मेकअप का उउळश फुटेज भी सामने आया है। इसमें वह ससुराल के पास स्थित एक ब्यूटी पार्लर में तैयार होती नजर आ रही है। वीडियो में वह सामान्य और रिलैक्स दिखाई दे रही है। पुलिस ने फुटेज जब्त कर लिया है। ब्यूटी पार्लर ट्विशा के ससुराल से करीब 100 मीटर दूर बताया गया है। भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ट्विशा के घर के उस हिस्से की तस्वीर भी सामने आई है, जहां उसका शव मिला था। जांच में यह भी सामने आया कि ट्विशा ने 12 मई को सुबह 9:52 बजे भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस में रिजर्वेशन कराया था।

जम्मू-कश्मीर- राजौरी के जंगलों में छिपे तीन आतंकी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में शनिवार दोपहर सुरक्षाबलों और आतंकियों से मुठभेड़ हुई है। गंभीर मुगलान के जंगलों में 2-3 पाकिस्तानी आतंकियों के घिरे होने की खबर है। आतंकी मूवमेंट की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों का जंगल में सर्च ऑपरेशन जारी है। इसी दौरान आतंकियों ने फायरिंग की। 23 फरवरी को भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की और लिखा था कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में बताया गया था कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किश्तवाड़ में आतंक का सरगना था। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि किश्तवाड़ में उनके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस और CRPF समेत सेना की इंटेलीजेंस एजेंसी भी शामिल रहीं।

रिपोर्ट- ईरान पर फिर हमले की तैयारी में अमेरिका

ट्रम्प वीकेंड प्रोग्राम कैंसिल कर व्हाइट हाउस लौटे

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने वीकेंड गोल्फ कार्यक्रम रद्द कर अचानक व्हाइट हाउस लौट आए हैं। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की तैयारी कर सकता है। उइर न्यूज ने दावा किया है कि ट्रम्प प्रशासन संभावित नए हमलों की प्लानिंग पर विचार कर रहा है, हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन और सेना के कई सीनियर अधिकारियों ने भी अपने छुट्टी और हॉलिडे प्रोग्राम रद्द कर दिए हैं। इसी बीच ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने दावा किया कि ईरानी सेना दुश्मन की किसी भी बेवकूफी का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान की नौसेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में होर्मुज स्ट्रेट से 25 जहाज गुजरे हैं। पिछले कुछ दिनों में होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की संख्या लगातार बदलती रही है। युद्ध और तनाव की वजह से ट्रैफिक सामान्य स्तर से काफी नीचे है। IRGC ने शुक्रवार को दावा किया था कि उनके 26 जहाज होर्मुज से गुजरे हैं। यानी अभी लगातार दो दिनों से ट्रैफिक लगभग 25-26 जहाज

प्रतिदिन के आसपास बना हुआ है, जबकि सामान्य समय में यह संख्या 100 से ज्यादा रहती थी। ट्रम्प सरकार ने ईरान के साथ चल रही युद्धविराम और परमाणु बातचीत से इजराइल को लगभग बाहर कर दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली अधिकारियों को अमेरिका-ईरान बातचीत की जानकारी सीधे वॉशिंगटन से नहीं मिल रही। उन्हें क्षेत्रीय नेताओं, राजनयिक संपर्कों और ईरान के भीतर अपनी खुफिया निगरानी के जरिए जानकारी जुटानी पड़ रही है। यह बदलाव प्रधानमंत्री नेतन्याहू के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। उन्होंने लंबे समय तक खुद को ऐसे नेता के रूप में पेश किया जो ट्रम्प पर सबसे ज्यादा असर रखते हैं। युद्ध की शुरूआत में नेतन्याहू ने कहा था कि वे ट्रम्प से लगभग हर दिन बात करते हैं और दोनों मिलकर फैसले लेते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प सरकार अब ईरान के साथ ऐसे समझौते पर विचार कर रहा है जिसमें ईरान की परमाणु गतिविधियों पर केवल सीमित समय के लिए रोक लगे। यह प्रस्ताव काफी हद तक 2015 के उस परमाणु समझौते जैसा माना जा रहा है जिसका नेतन्याहू ने उस समय कड़ा विरोध किया था। इजराइल की एक और बड़ी चिंता यह है कि बातचीत में ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों का मुद्दा शायद शामिल ही नहीं है। अगर ऐसा हुआ तो इजराइल के लिए यह बड़ा झटका होगा क्योंकि मार्च और अप्रैल में ईरानी मिसाइल हमलों से वहां सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। इसके अलावा इजराइल को डर है कि अगर अमेरिका ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटाता है तो तेहरान को अरबों डॉलर मिल सकते हैं। इससे ईरान फिर से अपने हथियार कार्यक्रम और अपने सहयोगी संगठनों जैसे हेजबुल्लाह को मजबूत कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध के शुरूआती दिनों में अमेरिका और इजराइल बेहद करीबी तालमेल में काम कर रहे थे।

नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन, रोजगार और युवा उद्यमिता को देगा नई गति : धामी

मुख्यमंत्री ने नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन 2026 के काउंटडाउन रन को किया फ्लैग ऑफ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन 2026 के काउंटडाउन रन कार्यक्रम का फ्लैग ऑफ किया और मशाल प्रज्ज्वलित कर प्रतीकात्मक दौड़ में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 31 मई 2026 को होने वाले नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन के शुभंकर ''क्यालु-हिम

तेंदुआ'' का अनावरण भी किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सीमांत क्षेत्रों में नई ऊर्जा, नए अवसर और नए विश्वास को जागृत करने का अभियान है। कहा कि कार्यक्रम में युवाओं का उत्साह, ऊर्जा और आत्मविश्वास यह दर्शाता है कि देवभूमि उत्तराखंड के युवाओं में साहस, संकल्प और देश के लिए कुछ बड़ा करने का जज्बा कूट-कूट कर भरा है। उन्होंने कहा कि आज यहां गूंज रहे युवाओं के कदम आने वाले समय में नीति घाटी की ऊंचाइयों पर इतिहास रचेंगे।

27 राज्यों और 2 देशों से 900 से अधिक प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आगामी 31 मई को नीति घाटी की पावन एवं दुर्गम धरती पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम उत्तराखंड के खेल एवं एडवेंचर टूरिज्म के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय लिखेगा। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि देश के 27 राज्यों और 2 अन्य देशों से 900 से अधिक प्रतिभागियों ने इस महाआयोजन के लिए पंजीकरण कराया है, जो युवाओं में इस आयोजन के प्रति बढ़ते आकर्षण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी उत्तराखंड को देश का अग्रणी एडवेंचर स्पोर्ट्स एवं स्पोर्ट्स टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

दो दिवसीय उत्तराखण्ड दौरे पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त, सीमांत पोलिंग बूथ का किया स्थलीय निरीक्षण

देहरादून। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार दो दिवसीय उत्तराखण्ड दौरे के लिए शनिवार को उत्तरकाशी पंहुचे। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखंड डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने उत्तरकाशी स्थित झाला हैलीपैड पर उनका स्वागत किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सीमांत जिले के पोलिंग बूथ का स्थलीय निरीक्षण किया और विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने गंगोत्री धाम पंहुचकर धर्मपत्नी के साथ गंगोत्री मंन्दिर के दर्शन कर विशेष पूजा अर्चना की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त रविवार को देहरादून में एसआईआर के सम्बंध में तैयारियों की समीक्षा करेंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार दो दिवसीय उत्तराखण्ड दौरे पर शनिवार को उत्तरकाशी पंहुचे। इस दौरान उन्होंने भारत–चीन सीमा से सटे उत्तरकाशी जिले के गंगोत्री विधानसभा के सीमांत गांव हर्षिल में स्थित पोलिंग बूथ का स्थलीय निरीक्षण किया।

'स्मार्ट' तकनीक से मतदाता सूची का शुद्धीकरण

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर्स ग्राउंड लेवल पर कर्मठता के साथ बीएलओ ऐप के माध्यम से सूची में शामिल "एब्सेंट,शिफ्टेड,डेथ, डूप्लीकेट और विदेशी मतदाताओं" को चिन्हित कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण का कार्य कर रहे हैं,साथ ही 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पात्र मतदाताओं को वोटर लिस्ट में जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बीएलओ मिंटू देवी के कार्यों जमकर सराहना करते हुए कहा कि एसआईआर कार्य में समपर्ण के साथ जुटे सभी बूथ लेवल ऑफिसर्स को चुनाव आयोग सैल्यूट करता है। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण आशा है कि देश के सभी बीएलओ इसी सक्षमता के साथ कार्य करेंगे।

वार्षिकोत्सव में इनडोर हॉल के लिए 5 लाख रुपये की घोषणा

चमोली। प्रधानमंत्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज नंदासैंण में लगभग 14 वर्षों बाद वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। समारोह में मौजूद जिपंस विशंभरी देवी ने इनडोर गेम्स के लिए 5 लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा भी की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक अनिल नौटियाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रधानाचार्य मीना पुंडीर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। बुके नहीं, बुक दो परंपरा के तहत अतिथियों को पुस्तकें भेंट की गईं। छात्र–छात्राओं ने योग, ताइक्वांडो, बैंड प्रदर्शन और नाट्य मंचन प्रस्तुत किए। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत गढ़–कुमाऊं और अन्य लोक गीत एवं नृत्य की प्रस्तुतियां दी। बीईओ विनोद मटूड़ा ने विद्यार्थियों को अनुशासन का महत्व समझाया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख गैरसैंण दुर्गा देवी, मुकेश नेगी, हरेंद्र चौधरी, आशीष नेगी सहित अभिभावक, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

किशनपुर में नाला चोक होने से सड़क में फैला गंदा पानी

देहरादून। दून विहार वार्ड नंबर–6 के किशनपुर राजपुर रोड क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के चोक नाले की शनिवार को सफाई शुरू हो गई। ये नाला चोक होने से गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।यही नहीं ये गंदा पानी मुख्य सचिव आवास के सामने से होते हुए इंदर बाबा मार्ग तक फैल गया था। स्थानीय पार्षद मीनाक्षी नौटियाल की लगातार शिकायत के बाद शनिवार को नगर निगम की टीम जेसीबी लेकर वहां पहुंची। टीम ने नाले को तोड़ना शुरू कर दिया है। ताकि उसकी रिपेयरिंग की जा सके। पार्षद नौटियाल ने बताया कि नाले का दूषित पानी सड़क पर बहने से आसपास के आवासीय क्षेत्रों के साथ–साथ कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी प्रभावित हो रहे हैं। उनमें बदबू गंदगी से काफी बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि लंबे समय से गंदा पानी सड़क में बहने से आवाजाही में भी दिक्कत हो रही है। सबसे अधिक दिक्कत स्कूल आने–जाने वाले छात्र–छात्राओं को उठानी पड़ी, जिन्हें रोजाना गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा था। पैदल राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

1100 बांध विस्थापितों को मिलेगा अतिरिक्त भूमि का मालिकाना हक

नई टिहरी। विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि बांध विस्थापित नई टिहरी के 1100 लोगों को जल्द ही अतिरिक्त स्पेश वाली भूमि का मालिकाना हक दिलाया जाएगा। डीएम/पुनर्वास निदेशक प्रत्येक अतिरिक्त स्पेश संबंधी प्रकरण का परीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करेगा जिसके बाद सरकार अतिरिक्त भूमि की धनराशि तय कर संबंधित विस्थापित/प्रभावित परिवार को भूमि आवंटित करेगी। भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में विधायक उपध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत ने बताया कि पुरानी टिहरी से विस्थापित होने के बाद लोग नई टिहरी में अपने भवन/प्लाट और फ्लैट के आसपास कुछ अतिरिक्त भूमि पर वषो से निवासरत है। पुनर्वास होने के दौरान बांध प्रभावित कई लोगों को उस समय अविकसित प्लाट आवंटित किए गए थे। प्रभावित उक्त भूमि के नियमितीकरण की मांग वर्षों से करते आ रहे हैं। प्रदेश सरकार ने टिहरी बांध प्रभावितों की समस्याओं को गंभीरता से लिया है। बताया कि मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल इस प्रकरण पर समन्वय समिति और सरकार ने डीएम/पुनर्वास निदेशक को परीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए है। विधायक ने बताया कि नई टिहरी के लिए जल्द ही जायका सहायतित पंपिंग योजना भी शुरू की जाएगी। टिहरी में बनने वाले मेडिकल कॉलेज की करीब 900 करोड़ की डीपीआर कार्यदायी संस्था ब्रिज एंड रूफ कंपनी ने तैयार कर स्वास्थ्य निदेशालय को सौंप दी है। कमेसारी टिनशेड के लोगों को मालिकाना हक/लीज को लेकर भी परीक्षण के बाद सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा में शानदान प्रदर्शन वाली गर्ल्स बॉक्सर सम्मानित

देहरादून। दसवीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाली पांच चैंपियन गर्ल्स बॉक्सर को शनिवार को सम्मानित किया गया। बाक्सिंग चैंपियन मुस्कान बिष्ट ने 95.6 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं। इसके अलावा समृद्धि गोदियाल, अंशिका विद्वान और श्रद्धा राणा ने 86–86 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि कृष्णा सिंह ने 76 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। बलूनी ग्रुप के एमडी विपिन बलूनी ने कहा कि ये पांचों बाक्सर अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। इन सभी छात्राओं ने साबित किया है कि लड़कियां किसी से कम नहीं होती। पढ़ाई भी की और खेलों में भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। बाक्सिंग एकादमी के कोच प्रदीप कुमार ऐरी ने बताया कि ये पांचों छात्राएं नियमित रूप से स्कूल की बॉक्सिंग अकेडमी में प्रशिक्षण लेती हैं और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी विद्यालय का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। पढ़ाई और खेल के बीच बेहतरीन संतुलन बनाकर इन्होंने अन्य छात्रों के लिए मिसाल कायम की है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य पंकज नौटियाल सहित विद्यालय का समस्त शिक्षक एवं गैर–शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहा।

मिनी फिश प्रोसेसिंग यूनिट दो माह में बनकर होगी तैयार

नई टिहरी। ऋषिकेश–चंबा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हेंवल नदी के समीप नागणी कस्बे में मत्स्य विभाग की मिनी फिश प्रोसेसिंग यूनिट अगले दो माह भीतर बनकर तैयार हो जाने की उम्मीद है। यूनिट के बनने से जिले के मत्स्य पालकों को मछली को स्टोरेज करने की सुविधा मिलेगी। करीब 1 करोड़ 29 लाख की लागत से नागणी में बनने वाली जिले की पहली फिश प्रोसेसिंग यूनिट नाबार्ड वित्त पोषित है। यूनिट के तैयार होने के बाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मत्स्य पालन कर रहे लोगों को मछलियों को स्टोरेज करने की सुविधा मिल पाएगी। अब तक मत्स्य पालकों को मछलियों का अधिक उत्पादन होने, बरसात के समय और ऑफ सीजन में मछलियों को रखने की उचित सुविधा नहीं मिल पाती थी। फिश प्रोसेसिंग यूनिट न होने से मछली पालकों को बरसात और ऑफ सीजन में मछलियों को स्टोरेज करने की परेशानी होती थी। उन्हें औने–पौने दामों में मछलियां बेचनी पड़ती थी। यूनिट के तैयार हो जाने के बाद मत्स्य पालकों को मछलियों के अच्छे दाम मिलने की उम्मीद बढ़ जाएगी। उन्हें मछलियों को बेचने के लिए इधर–उधर भी नहीं भटकना पड़ेगा। यूनिट में मछलियों को ताजा रखने के लिए कोल्ड स्टोरेज का निर्माण, कलेक्शन सेंटर, आइस क्यूब तैयार करने के साथ कई अन्य सुविधा होगी।

गरुड़ डिग्री कॉलेज में खुलेगा विज्ञान संकाय, सीएम ने दी स्वीकृति

बागेश्वर। सुमित्रानंदन पंत राजकीय महाविद्यालय गरुड़ में विज्ञान संकाय खोलने को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वीकृति दे दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने उच्च शिक्षा विभाग को वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद अब क्षेत्र के छात्र–छात्राओं को विज्ञान विषय की पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही बेहतर शिक्षा सुविधा मिल सकेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय के उप सचिव हीरा सिंह बसेड़ा ने सचिव उच्च शिक्षा को भेजे पत्र में कहा है कि मुख्यमंत्री ने आठ मई को सुमित्रानंदन पंत राजकीय महाविद्यालय गरुड़ में स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के संचालन की स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने घोषणा के क्रियान्वयन के लिए तत्काल अग्रिम कार्रवाई करते हुए वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति का शासनादेश जारी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि मुख्यमंत्री को इसकी प्रगति से अवगत कराया जा सके। विज्ञान संकाय की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्रवासियों और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है।

35 साल से खाली पड़ी है जोगत तल्ला पटवारी चौकी

उत्तरकाशी। सरकार भले ही जनता के द्वार जैसे कार्यक्रमों के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंचाने का दावा कर रही हो लेकिन धरातल पर स्थिति इससे बिल्कुल उलट है। चिन्यालीसौड़ क्षेत्र की कई पटवारी चौकियां वर्षों से खाली पड़ी है।

हालत यह है कि जोगत तल्ला पटवारी चौकी में पिछले 35 वर्षों से पटवारी नहीं बैठे हैं जबकि कवागढ़ी पटवारी चौकी भी करीब डेढ़ दशक से बिना पटवारी के संचालित हो रही है। इससे ग्रामीणों को छोटे–छोटे राजस्व संबंधी कार्यों के लिए भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों को प्रमाणपत्र, रिपोर्ट, आदेश और अन्य कागजी कार्यों के लिए 40 से 60 किलोमीटर तक का सफर तय कर देवीसौड़ और चिन्यालीसौड़ पहुंचना पड़ता है। वहां भी कई बार पटवारी नहीं मिलने पर उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। सिर्फ जोगत तल्ला और कवागढ़ी ही नहीं, बल्कि कालागढ़ी–बनकोट, दिचली, क्यारी, सर्प, जगड़गांव, भैगवाल गांव और गोरणगांव समेत कई क्षेत्रों की पटवारी चौकियों की स्थिति भी इसी तरह बदहाल बनी हुई है। अधिकांश चौकियों पर नियमित रूप से पटवारी नहीं बैठते।

क्षेत्र पंचायत सदस्य तल्ला जोगत कोमल रावत ने बताया कि एक बार पटवारी के काम से जाने में करीब 200 रुपये किराया खर्च हो जाता है और पूरा दिन खराब हो जाता है। इसके बावजूद कई बार पटवारी नहीं मिलते जिससे लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ता है। वर्षों से पटवारी चौकी पर नियमित पटवारी बैठाने की मांग की जा रही है लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

बिना क्यूआर कोड वाली बोतलें मिली तो होगी कार्रवाई : डीएम

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने गंगोत्री और यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर स्थित सभी होटल व्यवसायियों, होमस्टे संचालकों और दुकानदारों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि वे केवल क्यूआर कोड युक्त प्लास्टिक बोतलों का ही उपयोग और विक्रय करें। बिना क्यूआर कोड वाली बोतलें मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा कि चारधाम यात्रा अपने चरम पर है और प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु धामों में पहुंच रहे हैं। ऐसे में यात्रा मार्ग और धाम क्षेत्रों में बढ़ते प्लास्टिक कचरे को रोकना बड़ी चुनौती बन गया है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने नेताला से गंगोत्री धाम और बड़कोट के दुबाटा से यमुनोत्री धाम मार्ग पर क्यूआर कोड आधारित डिपॉजिट रिफंड सिस्टम लागू किया है। इस व्यवस्था के तहत प्रत्येक प्लास्टिक बोतल की ट्रैकिंग की जाएगी और उसे रिसाइक्लिंग के लिए वापस लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमालयी पर्यावरण और गंगा–यमुना के उद्गम स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

चारधाम में आस्था का सैलाब

शुक्रवार तक दर्शनार्थियों की संख्या पहुंची 20 लाख के करीब

देहरादून। चारधाम दर्शन को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। चारों धामों में दर्शन को श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन व्यवस्थाएं दुरुस्त होने से यात्रा सुचारु रूप से चल रही है। शुक्रवार को रिकॉर्ड 89 हजार 079 तीर्थयात्रियों ने चारधाम दर्शन किए। कुल दर्शनार्थियों का आंकड़ा 20 लाख के करीब पहुंच चुका है जबकि केदारनाथ में 07 लाख 82 हजार से अधिक तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। उच्च हिमालयी क्षेत्र की यात्रा होने से आपदा प्रबंधन को अलर्ट मोड पर रखा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मौसम प्रतिकूल होने पर हर एक श्रद्धालु की सुरक्षा और सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए। धामी सरकार के कुशल यात्रा प्रबंधन के चलते चारधाम यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यात्रा का विगत 19 अप्रैल को श्रीगणेश हुआ था और आज शुक्रवार 22 मई तक यानी 34 दिनों में 19 लाख 80 हजार 437 श्रद्धालु चारधाम दर्शन कर चुके हैं। इनमें केदारनाथ में 7,82,136, बद्रीनाथ में 5,24,218, गंगोत्री में 3,34,265 और यमुनोत्री धाम में 3,39,818 तीर्थयात्री पहुंचे हैं। शुक्रवार को एक दिन में ही चारों धामों में 89 हजार 079 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। केदारनाथ में सर्वाधिक 30,218 तीर्थयात्री पहुंचे। जबकि बद्रीनाथ में 27,992, यमुनोत्री में 16,201 और गंगोत्री धाम में 14,668 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

मेला अधिकारी ने किया ज्वालापुर रेलवे स्टेशन और घाटों का निरीक्षण

हरिद्वार। कुंभ मेले की तैयारियों को लेकर मेलाधिकारी सोनिका ने शनिवार को अधिकारियों की टीम के साथ ज्वालापुर रेलवे स्टेशन, सिंहद्वार क्षेत्र, शंकराचार्य चौक और विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर भीड़ प्रबंधन, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ज्वालापुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म और होल्डिंग एरिया को बेहतर बनाने, दूसरी ओर से प्रवेश मार्ग विकसित करने और एक के स्थान पर तीन निकासी द्वार बनाने के निर्देश दिए गए। मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ मेले में ज्वालापुर रेलवे स्टेशन श्रद्धालुओं के आवागमन का प्रमुख केंद्र रहेगा, इसलिए स्टेशन परिसर में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के प्रभावी इंतजाम समय रहते सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने रेलवे, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। रेलवे अधिकारियों से ट्रेनों

के संचालन, बोर्डिंग और डिबोर्डिंग व्यवस्था समेत सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत कार्ययोजना मेला प्रशासन को उपलब्ध कराने को कहा गया। उन्होंने स्टेशन परिसर में पेयजल, शौचालय और प्रकाश व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया। वहीं स्टेशन के बाहर झूलते विद्युत तारों को हटाने के लिए यूपीसीएल अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए। इसके बाद सिंहद्वार क्षेत्र, शंकराचार्य चौक, समीपवर्ती घाटों और मायापुर रेगुलेटर से गुजरने वाले नहर पटरी मार्ग का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन, सुरक्षित स्नान और ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। निरीक्षण में अपर मेला अधिकारी दयानंद सरस्वती, सीओ कुंभ बिपेंद्र सिंह, सीओ जीआरपी अनुज सिंह सहित रेलवे और मेला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जर्जर स्कूल भवन ढहाने और केवि खोलने की मांग तेज

उत्तरकाशी। भटवाड़ी सहित आसपास के ग्रामीणों ने विकासखंड मुख्यालय स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में 34 वर्षों से जर्जर स्थिति में पड़े भवनों को ध्वस्त करने की मांग की है। उनका कहना है कि विद्यालय परिसर के बीच जर्जर भवन हादसों को न्योता दे रहे हैं। साथ ही इनके ध्वस्तीकरण के बाद वहां पर केंद्रीय विद्यालय के मानकों के अनुरूप फिलहाल अस्थायी कमरे बनाकर उसको शुरू किया जा सकता है। भटवाड़ी के जनप्रतिनिधियों सहित स्थानीय निवासी अनिल रावत, केशव कुमार नौटियाल, जितेंद्र रतूड़ी, यूसूफ खान आदि ने इस संबंध में जिलाधिकारी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासी लंबे समय से भटवाड़ी विकासखंड में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग कर रहे हैं लेकिन जिला प्रशासन और राज्य प्राधिकरण की उदासीनता के चलते यह वर्ष 2014 से अधर में लटका हुआ है। स्थानीय लोग केंद्रीय विद्यालय को खोलने को लेकर मानकों के अनुरूप प्रशासन को अपना सुझाव दे चुके हैं। केशव कुमार नौटियाल ने बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज भटवाड़ी में वर्ष 1987–88 में दो मंजिला स्टाफ क्वार्टर का निर्माण किया गया था। वह वर्ष 1991 के भूकंप में जर्जर हो गए थे। उसके 34 वर्ष बीतने के बावजूद जर्जर भवनों को हटाया नहीं गया है। यह विद्यालय परिसर में हादसों को न्योता दे रहे हैं। इसलिए अगर इन भवनों को ध्वस्त कर फिलहाल केंद्रीय विद्यालयों को शुरू करने के लिए अस्थायी व्यवस्था पर वहां पर कक्षों का निर्माण किया जा सकता है।

वीकेंड पर जाम नगर बना ऋषिकेश

ऋषिकेश। वीकेंड पर शनिवार को ऋषिकेश में पर्यटक वाहनों के दबाव से ट्रैफिक बेपटरी हो गया। पर्यटक और चारधाम यात्रियों के दबाव के चलते ऋषिकेश के यात्रा मार्गों से लेकर मुनिकीरेती और तपोवन की सड़कों पर सुबह से देर शाम तक जाम लगा रहा। इसके चलते पर्यटक और चारधाम यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। जाम में जकड़ी सड़कों के कारण स्थानीय लोगों को भी भीषण गर्मी में घरों और बाजारों तक पहुंचने के लिए घंटों जाम में जूझना पड़ा। वीकेंड पर शनिवार सुबह से ही दिल्ली, पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों के पर्यटक ऋषिकेश पहुंचने लगे। इसके चलते सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ने से यातयात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। पूर्वान्ह करीब 11 बजे यात्रा रूट हरिद्वार बाईपास मार्ग पर योगनगरी रेलवे स्टेशन से वाहनों की कतारें लगनी शुरू हुईं। गूगल मैप ने रूट पर जाम दिखाया तो पर्यटक वाहन नगर के आंतरिक मार्गों की तरफ दौड़ पड़े। मुनिकीरेती–तपोवन पहुंचने के लिए उन्होंने आंतरिक मार्गों से गलियों का भी रुख किया, जिससे शहर की गलियां तक पर्यटक वाहनों से पैक हो गईं।

मसूरी विधानसभा में 15 सालों से नहीं हुआ कोई विकास

देहरादून। कांग्रेस पीसीसी सदस्य उपेंद्र थापली ने कैबिनेट मंत्री के बयान को लेकर उन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मंत्री को गलती को स्वीकार कर पत्रकारों से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में पत्रकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं। कहा कि सरकार का विकास से कोई लेना देना नही है। उन्होंने कहा कि सरोना न्याय पंचायत में जो सड़कें बनी हैं वह कांग्रेस के कार्यकाल में पास हुए थे। उस क्षेत्र में जो पुश्ते लग रहे हैं वह गुणवत्ता विहीन है। कहा कि छोटे काश्तकारों को नुकसान हो रहा है। पानी, शिक्षा, सड़कों की दशा अच्छी नही है। मसूरी में खेल मैदान अभी तक नही बना जबकि प्रदेश व केंद्र में भाजपा की ही सरकार है। आरोप लगाया कि विधायक निधि का दुरूपयोग किया जा रहा है।

एसएसजे विश्वविद्यालय और पीडब्ल्यूसी एग्रोटेक के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा और पीडब्ल्यूसी एग्रोटेक एलएलपी, काशीपुर के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान पारस्परिक सहयोग और शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार के लिए संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। एमओयू के तहत शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में सहयोग, विद्वानों और वैज्ञानिक कर्मचारियों के आदान–प्रदान, शैक्षणिक सामग्री साझा करने तथा छात्रों और शोधार्थियों को शोध सुविधाएं उपलब्ध कराने पर सहमति बनी है। समझौते के अनुसार शोधार्थी क्षेत्र आधारित और प्रयोगशाला आधारित अनुसंधान कार्य कर सकेंगे। साथ ही पीडब्ल्यूसी एग्रोटेक एलएलपी के वैज्ञानिकों को वानिकी, जीव विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और अन्य जीव विज्ञान विषयों के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में सह–पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता दी जाएगी। कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि इस समझौते से शोधार्थियों को कार्बन पृथक्करण, जैव उर्वरक, अपशिष्ट जल उपचार और जैव ईंधन जैसी क्षेत्रीय पर्यावरणीय समस्याओं पर शोध करने का अवसर मिलेगा।

पुलिस ने हूटर बजाने वाले वाहन को किया सीज

देहरादून। मसूरी कोतवाली पुलिस ने हूटर बजाकर वीआईपी की धौंस जमाने वाले चालक की जमकर क्लास ली। पुलिस ने वाहन को सीज कर दिया 'एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध अभियान चलानेके निर्देश दिए। कोतवाली मसूरी पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस को एक वाहन संख्या एचआर 05बीए 0022 बड़े मोड़ की ओर से हूटर बजाते हुए पिक्चर पैलेस की तरफ आता हुआ दिखाई दिया। संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम ने उक्त वाहन को रोककर चालक से पूछताछ की। पूछताछ पर चालक शराब के नशे में प्रतीत हुआ, जिस पर चालक का एल्कोमीटर से परीक्षण कराया गया। परीक्षण में चालक द्वारा शराब का सेवन किए जाने की पुष्टि हुई।

जिला खनन न्यास समिति की बैठक में जनहित से जुड़े प्रस्तावों को मिली मंजूरी

अल्मोड़ा। जिला खनन न्यास समिति की बैठक शनिवार को जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विभिन्न जनहितकारी प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण कार्यों को स्वीकृति दी गई।

बैठक में विभिन्न विभागों की ओर से प्रस्तुत विकास एवं जनकल्याण से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला खनन न्यास समिति से प्राप्त धनराशि का उपयोग ऐसे कार्यों में किया जाए, जिनसे सीधे तौर पर आमजन को लाभ पहुंचे और दूरस्थ क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं मजबूत हो सकें। बैठक में चौखुटिया अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर को संचालित करने के लिए आवश्यक सामग्री खरीदने हेतु धन आवंटन को स्वीकृति दी गई। जिलाधिकारी ने

संबंधित अधिकारियों को जल्द सामग्री खरीदकर ऑपरेशन थिएटर शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रीय लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। इसके अलावा बल्टा गांव में जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए चेन लिंक फेंसिंग लगाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। जनहित से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

बीसूका में बागेश्वर पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर

बागेश्वर(। बीस सूत्रीय कार्यक्रम में बागेश्वर जिले ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। जिले ने कई बड़े जिलों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि प्राप्त की। 20 बिंदुओं वाले इस कार्यक्रम में जिले का प्रदर्शन बेहतर रहा, जिसके आधार पर वर्ष 2025–26 की वार्षिक रैंकिंग जारी की गई। रैंकिंग में चंपावत जिला 98.30 प्रतिशत अंकों के साथ पहले स्थान पर रहा, जबकि बागेश्वर ने 98.29 प्रतिशत के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। उधमसिंह नगर 96.75 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा। बागेश्वर ने पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, रुद्रप्रयाग, नैनीताल, टिहरी, देहरादून और चमोली जैसे बड़े जिलों को पीछे छोड़ा है। उत्तरकाशी 12वें स्थान पर रहा, जबकि पौड़ी सबसे निचले पायदान पर रहा।

एक नजर

28 मई से शुरू होगा मां शीतला देवी का महापूजन

श्रीनगर गढ़वाल : नगर के भक्तियाना स्थित आरोग्यता और शीतलता की प्रतीक मां शीतला देवी का तीन दिवसीय वार्षिक पूजन 28 मई से शुरू होने जा रहा है। शीतला माता मंदिर समिति और श्रद्धालुओं ने तैयारी शुरू कर दी है। मुख्य पुजारी मंगनानंद पटवाल ने बताया कि मां शीतला को शीतलता प्रदान करने वाली देवी माना जाता है। गर्मी शुरू होने के साथ ही कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में मान्यता है कि मां शीतला की आराधना से रोगों से रक्षा होती है। पूजा पंडित वीरेंद्र गोदियाल और गणेश सेमवाल के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न होगी। अनुष्ठान के तीन दिन तक चलेगा। पहले भगवान गणेश की वंदना और देवी पाठ होगा। इसके पश्चात मां शीतला, मां दक्षिण काली व अन्य देवी-देवताओं को पवित्र स्नान कराकर आभूषणों से उनका शृंगार किया जाएगा। 29 मई को जागरण का आयोजन होगा। 30 मई को सुबह विशेष पूजन, हवन और यज्ञ के पश्चात पूर्णाहुति होगी। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के सूर्यप्रकाश नौटियाल, कमलेश नैथानी, दिनेश उनियाल, मनोज पटवाल, विजय पटवाल और जगन्नाथ पटवाल जुटे हुए हैं। (एजेंसी)

लोहाजंग का ईको टूरिज्म संग्रहालय जर्जर, छत—दरवाजे क्षतिग्रस्त

चमोली। लोहाजंग में 2008 में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाया गया बांस का संग्रहालय जर्जर स्थिति में है। इसकी छत, दरवाजे और खिड़कियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे स्थानीय संस्कृति से जुड़ी वस्तुएं खराब हो रही हैं। यह संग्रहालय पर्यटकों को स्थानीय परंपराओं और रीति–रिवाजों से परिचित कराता था। लोहाजंग 2250 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक रमणीय स्थल है। यह रूपकुंड, वेदनी और ब्रह्मताल जैसे प्रसिद्ध बुग्यालों का मुख्य द्वार होने के चलते यहां काफी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। लोहाजंग में बदरीनाथ वन प्रभाग की ओर से निर्मित यह संग्रहालय एक समय पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र था। बांस से बनी इसकी छत क्षतिग्रस्त होने के कारण बारिश का पानी अंदर आ रहा है। इससे संग्रहालय के अंदर रखी चीजें खराब हो रही हैं। लोहाजंग के इंद्र सिंह राणा ने बताया कि संग्रहालय पर्यटकों का आकर्षक केंद्र है। उन्होंने कहा कि इसकी छत, दरवाजे और खिड़की क्षतिग्रस्त हो गए हैं। संग्रहालय में स्थानीय हस्तनिर्मित वस्तुएं, ढोल, दमाऊ शंख, घंटी, तांबे के बर्तन और ऊन के उत्पाद रखे गए थे। लेकिन बदहाल संग्रहालय में ये चीजें भी खराब हो रही हैं।

दो स्वागत द्वार, जून अंत तक होंगे तैयार

चमोली। नगर पंचायत की सीमा पर करीब 20 लाख रुपये की लागत से दो प्रवेश और स्वागत द्वार पंचायत प्रशासन तैयार किए जा रहे हैं। इनके जून के अंत तक बनकर तैयार होने की बात पंचायत प्रशासन कह रहा है। गैरसैंण जहां प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी है। वहीं राज्य आंदोलन की भावनाओं में बसे गैरसैंण में प्रदेश के लोगों का भी खास लगाव है। ऐसे में गैरसैंण नगर में पर्यटकों को आकर्षित करने पहल पंचायत कर रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष मोहन भंडारी ने बताया कि जून माह के अंत में द्वारों का लोकार्पण किया जाएगा। ये द्वार आगंतुकों का स्वागत करेंगे और नगर की स्वच्छता में सहयोग का संदेश देंगे। पहला द्वार कुनेली लगा सलियाणा में सात मीटर ऊंचा और दस मीटर चौड़ा होगा। दूसरा द्वार सैंजी में ब्यास गाड़ के पास नौ मीटर चौड़ा व सात मीटर ऊंचा बनाया जा रहा है। इनका निर्माण गुणवत्ता मानकों के आधार पर हो रहा है। कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बिष्ट और नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुंवर सिंह रावत ने इन कार्यों की सराहना की है।

कर्णप्रयाग में दो और सिमली में तीन तल की बनेंगी पार्किंग

चमोली। नगर पालिका क्षेत्र के कर्णप्रयाग और सिमली में पार्किंग की सुविधाएं जल्द मिलने की उम्मीद बन रही है। जिला विकास प्राधिकरण यहां पार्किंग के इस्टीमेट तैयार कर रहा है। कर्णप्रयाग में दो और सिमली में तीन तल की पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। नगर पालिका कर्णप्रयाग और गौचर में पार्किंग की बड़ी दिक्कत है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पार्किंग निर्माण की घोषणा की थी। इस पर अब सर्वे सहित इस्टीमेट तैयार करने की कार्रवाई अंतिम चरण में है। कर्णप्रयाग के कर्ण मंदिर परिसर के पास और सिमली में करीब 500–500 वर्ग मीटर में पार्किंग निर्माण किया जाएगा। बताया जा रहा है कि कर्णप्रयाग में 50 करीब और सिमली में 75 से अधिक वाहनों को पार्किंग सुविधा मिल सकेगी। वहीं, गौचर में भी चार छोटी पार्किंग के निर्माण पर कार्रवाई की जा रही है। चमोली जिला विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता अभिषेक सिंह ने बताया कि कर्णप्रयाग और सिमली में पार्किंग निर्माण का इस्टीमेट तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजा जा रहा है।

सतत विकास लक्ष्यों में चमोली जिले ने हासिल किया दूसरा स्थान

चमोली। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की रैंकिंग में चमोली जिले ने राज्य स्तर पर तृतीय स्थान हासिल किया है। जिले की इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सभी विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी। कहा कि सभी विभागों के सामूहिक प्रयासों से सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल किया जा रहा है। नीति आयोग की ओर से एडीजी इंडिया इंडेक्स रैंकिंग में इस साल उत्तराखंड राज्य ने प्रथम स्थान हासिल किया है।

लीकेज पेयजल लाइनों से घरों में पहुंच रहा गंदा पानी

शहर में गंदी नालियों के बीच से गुजर रही पेयजल लाइनें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कुछ वर्ष पूर्व काशीरामपुर तल्ला में गंदा पानी पीने से कई परिवार डायरिया की चपेट में आ गए थे। इसके बाद जिले के उच्चाधिकारियों ने कोटद्वार जल संस्थान को गंदी नालियों के बीच से गुजर रही पेयजल लाइनों को हटाने के निर्देश दिए। लेकिन, यह निर्देश हवाई साबित हुए। नतीजा, आज भी क्षेत्र में पेयजल लाइनें गंदी नालियों के बीच से गुजर रही है। जिससे शहर की एक बड़ी आबादी को संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

घर-घर पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए करीब सत्ता के दशक में शहर में पेयजल लाइन बिछाई गई थी। उस समय कोटद्वार व भाबर की जनसंख्या मात्र बीस से तीस हजार थी। लेकिन, वर्तमान में यह संख्या डेढ़ लाख से अधिक पहुंच चुकी है। ऐसे में शहर में कनेक्शनों की संख्या तो बढ़ी लेकिन, पेयजल लाइनें दशकों पुरानी ही चल रही है। ऐसे में बूढ़ी हो चुकी इन पेयजल लाइनों के लीकेज होने की समस्या आम हो चुकी है। सबसे बड़ी परेशानी यह है कि गंदी नालियों के बीच से गुजर रही इन लीकेज पेयजल लाइनों से घरों में गंदा पानी आ रहा है। वर्तमान में काशीरामपुर तल्ला, कौड़िया, काशीरामपुर मल्ला, बालासौड़, आमपड़ाव सहित अन्य वार्डों में गंदे पानी की समस्या बनी हुई है। पूर्व में क्षेत्रवासियों ने समस्या से विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण व जल संस्थान के अधिकारियों को भी अवगत करवाया था। लेकिन, अब तक हालात जस के तस बने हुए हैं। ऐसे में गर्मी के मौसम में समस्या और अधिक विकराल हो सकती है।

कोटद्वार के काशीरामपुर तल्ला में गंदगी के बीच से गुजरती पेयजल लाइन

सीवर के साथ पेयजल लाइन

कोटद्वार शहर में कई स्थानों पर सीवर के साथ पेयजल लाइन गुजर रही है। ऐसे में कई बार घरों में आने वाले पानी में सीवर की दुर्गंध तक आने लगती है। कई बार पानी के साथ कीड़े भी पहुंच जाते हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण काशीरामपुर तल्ला में देखने को मिल रहा है। जहां सीवर के गंदे पानी के बीच गुजरती पेयजल लाइनें आसानी से देखी जा सकती है।

शिविर में दी महिला अपराध, साइबर क्राइम की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशन पर शनिवार को राजकीय चिकित्सालय सतपुली में विधिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कानूनी, पोक्सो एक्ट, महिला अपराध, साइबर क्राइम की जानकारी दी गई। सुश्री नेहा सिविल जज जूनियर डिवीजन सतपुली ने लोगों को अपने अधिकारों के लिए जागरूक किया। कहा कि दवाइयों का इस्तेमाल चिकित्सक के बिना परामर्श नहीं करना चाहिए। उन्होंने एक्सपायरी दवाई से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देते कहा कि एक्सपायरी के सेवन से पेट दर्द, उल्टी, सिर दर्द और एलर्जी हो सकती है। उन्होंने कहा कि किसी भी मेडिकल स्टोर से दवाई लेते समय ध्यान रखें की दवाई का पैकेट फटा ना हो या खुला ना हो। कहा कि घर पर दवाइयां हमेशा सुरक्षित रखनी चाहिए और छोटे बच्चों से दूर रहनी चाहिए, खुली दवाइयों का प्रयोग ना करें, यदि मेडिकल स्टोर पर कोई एक्सपायर डेट की दवाइयां बेचते है तो उसकी सूचना यथा शीघ्र औषधि निरीक्षक को दें। इस मौके पर चिकित्सा अधिकारी सतपुली डॉ. आशीष ढौंढियाल, पीएलबी पुष्पेंद्र राणा, डॉ. एस कंडारी, डॉ. अंशु, डॉ. स्मृति, डॉ. अनंता, नरेन्द्र सिंह नेगी, रीता, कोमल, संगीता, साहिल, प्रियंका, दीपिका असवाल, नूतन, मनीषा, वेद प्रकाष, आरती बिष्ट, रोहित सिंह, अनिल शर्मा आदि मौजूद थे।

बाइक दुघर्टना, एक युवक की मौत, एक घायल

चमोली। शनिवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे बदरीनाथ हाईवे पर एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इमसें बाइक सवार असम निवासी 25 वर्षीय सोम बोस्या की मौत हो गई। साथ ही पटना निवासी ऋत्विक घायल हो गया। घायल का उपचार उपजिला अस्पताल में किया जा रहा है चिकित्सकों ने गायल की स्थिति सामान्य बताई है।

जानकारी के अनुसार करीब 15 युवाओं का ग्रुप शनिवार सुबह देहरादून से बदरीनाथ के लिए निकला। इसमें जोराहाट असम के सोम बोस्या और बक्सर पटना बिहार के ऋत्विक दोनों एक बाइक पर सवार थे। ग्रुप के एक सदस्य ने बताया कि दोनों सबसे आगे चल रहे थे। दोनों इंटरनेट के माध्यम से एक दूसरे दोस्त बने। पुलिस के अनुसार करीब 11 गौचर और कर्णप्रयाग के मध्य गलनाऊं के तीव्र ढलान पर एक बाइक के अनियंत्रित होने की सूचना मिली। इस दौरान बाइक क्रश बैरियर पर अटक गई लेकिन दोनों बाइक सवार खाई में जा गिरे। ऋत्विक खड़ी चट्टान पर कुछ झाड़ियों के बीच फंस गया जबकि सोम बोस्या गहरी खाई में जा गिरा।

इस दौरान यहां से गुजर रहे जीतेंद्र गैरोला, प्रवीन चौहान, चंद्रमोहन, हरीश कठैत और एक अन्य स्थानीय युवक ने खाई में उतरकर घायल को निकाल कर 108 एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस, डीडीआरएफ और एसडीआरएफ ने चट्टान में फंसे घायल को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सक डॉ. मनोज मिश्रा ने बताया कि घायल की स्थिति सामान्य है।

वहीं सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित ने बताया कि सोम बोस्या ने अस्पताल पहुंचने से पहले की दम तोड़ दिया था। कोतवाल विनोद थपलियाल ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। दोनों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

देव सुमन विश्वविद्यालय में परीक्षा शुल्क वृद्धि पर कांग्रेस ने जताई नाराजगी

राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर की शुल्क वृद्धि वापस लेने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध बीएड प्रशिक्षणार्थियों द्वारा परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी को लेकर विरोध तेज हो गया है। प्रशिक्षुओं व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल उत्तराखंड के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजते हुए परीक्षा शुल्क वृद्धि को वापस लेने की मांग की है।

कांग्रेस पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ता व पदाधिकारी सहित प्रशक्षिणार्थी तहसील में एकत्रित हुए। यहां राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व वर्षों में बीएड प्रथम वर्ष की परीक्षा के लिए लगभग 2760 रुपये शुल्क लिया जाता था, जबकि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में परीक्षा शुल्क बढ़ाकर लगभग 2960 रुपये कर दिया गया है। कहा कि शुल्क वृद्धि से उन विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है, जो पहले से ही महंगी शिक्षा व्यवस्था का सामना कर रहे हैं। यह भी आरोप लगाया कि प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में परीक्षा शुल्क अधिक निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय से जुड़े प्रशिक्षणार्थियों में असंतोष का माहौल है और छात्र विरोध की स्थिति में हैं। ज्ञापन के माध्यम से राज्यपाल से मांग की गई कि विश्वविद्यालय प्रशासन को आवश्यक निर्देश जारी कर परीक्षा शुल्क वृद्धि पर पुनर्विचार कराया जाए तथा विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को राहत प्रदान की जाए। कहा कि यदि स्थानीय स्तर पर उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आगे व्यापक आंदोलन की रणनीति भी बनाई जा सकती है। इस मौके पर बलवीर सिंह रावत, सुरेंद्र सिंह गुसाईं, बीरेंद्र सिंह रावत, नरेंद्र सिंह, धीरेंद्र सिंह नेगी, चंद्रमोहन सिंह, धीरेंद्र सिंह नेगी, जावेद हुसैन, परमानंद, दलीप सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजते कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड कोटद्वार ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) कोटद्वार का 38वां स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान सिद्धबली मंदिर क्षेत्र में एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ बीईएल के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर निदेशक वित्त एवं एचआर मनोज जैन, निदेशक अन्य यूनिट दामोदर भट्ट तथा महाप्रबंधक कोटद्वार अखिलेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। स्थापना दिवस की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद हिमाचली, गढ़वाली, राजस्थानी, तेलुगु और नेपाली सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह में सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। समारोह के दौरान विभिन्न विद्यालयों के बीच समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में जीआईसी दुगड्डा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बलूनी पब्लिक स्कूल द्वितीय और एंजेल्स पब्लिक स्कूल तृतीय स्थान पर रहे। विजेता टीमों को मुख्य अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त बीईएल के उत्कृष्ट कर्मचारियों को भी उनके सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने अपने संबोधन में संस्थान की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए सभी कर्मचारियों एवं सहयोगियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बीईएल कर्मचारियों, उनके परिजनों, सामाजिक संगठनों और सांस्कृतिक समितियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। समारोह का संचालन नेहा कुमारी, राशि गैरोला एवं प्रज्ञा कोंपाल ने संयुक्त रूप से किया। अंत में सांस्कृतिक समिति के सचिव प्रदीप बडोला ने कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद किया। वहीं, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) कोटद्वार ने कॉपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत सिद्धबली मंदिर क्षेत्र में एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना कर उसका शुभारंभ किया। प्लांट का उद्घाटन निदेशक वित्त एवं एचआर मनोज जैन, निदेशक अन्य यूनिट दामोदर भट्ट एवं महाप्रबंधक अखिलेश त्रिपाठी की उपस्थिति में किया गया। बीईएल अधिकारियों ने बताया कि इस प्लांट के संचालन से क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

इसके माध्यम से अपशिष्ट जल को शुद्ध कर बागवानी, सफाई एवं अन्य उपयोगी कार्यों में इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे जल संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। बीईएल समय-समय पर अपने सामाजिक दायित्वों के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रशासनिक सहायता और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में कार्य करता रहा है। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए उपयोगी कदम बताया।

सिद्धबली मंदिर में एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापन करते अधिकारी

राहुल गांधी के बयान के विरोध में भाजपा ओबीसी मोर्चा का प्रदर्शन, फूंका पुतला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणी किए जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा ने शनिवार को झंडाचौक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला दहन कर विरोध जताया। भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल और ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सैनी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता झंडाचौक पर एकत्र हुए। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके बयान की कड़ी आलोचना की। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि देश के शीर्ष नेतृत्व के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने नेताओं को संयमित भाषा और राजनीतिक शिष्टाचार का पाठ पढ़ाने में असफल रही है। वक्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में मर्यादा और गरिमा बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। प्रदर्शन के दौरान जिला उपाध्यक्ष हरि सिंह पुंडीर, जिला महामंत्री सुरेंद्र सिंह आर्य, ओबीसी जिला उपाध्यक्ष सुनील पाल, संजय कुमार सैनी, प्रदेश प्रवक्ता पवन भारद्वाज, जिला मंत्री सोहन सिंह सैनी, भाजपा नगर अध्यक्ष विकासदीप मित्तल, नगर अध्यक्ष घनश्याम प्रजापति, सुखरो मंडल अध्यक्ष रवि सैनी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोटद्वार में राहुल गांधी का पुतला दहन करते कार्यकर्ता व पदाधिकारी

फोटाग्राफी में अक्षिता, तोमर रील्स में सृष्टि, ओपन माइक में साक्षी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : मुख्यालय के जीबी पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (जीबीपीआईईटी) में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस बायोवर्स के तहत विभिन्न कार्यक्रम हुए। शिक्षाविदों ने छात्रों को जैव विविधता संरक्षण के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर ईको फैशन शो में ईको हेलिक्स वर्ग में पलक, निहारिका, रितिका, फोटोग्राफी में अक्षिता व तोमर, रील्स में सृष्टि, एक्सटेम्पोर में अंकित नेगी, ओपन माइक में साक्षी थपलियाल, लाइव आर्ट/पोस्टर मेकिंग में मेघा प्रथम स्थान पर रही। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. डॉ. वीके बंगा ने विभाग की पहल को सराहनीय बताया। विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण भट्ट व डॉ. नवल ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। छात्र-छात्राओं की ओर से ईको फैशन शो, ओपन माइक, लाइव आर्ट व पोस्टर मेकिंग, रील/शॉर्ट वीडियो, फोटोग्राफी व एक्सटेंपोर का आयोजन किया गया। ईको फैशन शो में ईको हेलिक्स वर्ग में पलक, निहारिका, रितिका प्रथम, ईको ईकोज में अक्षिता, प्राची, लावण्या द्वितीय और बायो वोग वर्ग में विनीता, निकिता, सुचिता तृतीय रहीं। फोटोग्राफी में अक्षिता व तोमर प्रथम, लावण्या द्वितीय व निकिता तृतीय रहीं। रील्स में सृष्टि प्रथम, विनीता द्वितीय व पलक तृतीय रहीं। एक्सटेम्पोर में अंकित नेगी ने पहला, आकाश माहेश्वरी ने दूसरा व उदित रावत तृतीय रहे।

जीआईसी कोटद्वार में नई पीटीए टीम का गठन, मेधावियों का हुआ सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में आयोजित अभिभावक-शिक्षक संघ की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

बैठक में अभिभावकों और शिक्षकों की सहमति से कृष्ण दर्शन भदोला को पीटीए अध्यक्ष तथा अनूप सिंह नेगी को सचिव चुना गया। इसके अलावा अर्जुन अग्रवाल को उप सचिव और कौशल्या देवी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रधानाचार्य मुकेश रावत पदेन उपाध्यक्ष रहेंगे। नई कार्यकारिणी में श्रीशचंद्र तिवारी, सुरभि सचदेवा, कृपाली रावत, निर्मला देवी, सुमन देवी, सरिता देवी, बुद्धि पाल सिंह, सुधीर डंगवाल एवं विजयकांत बलूनी को सदस्य नामित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य मुकेश रावत ने कहा कि विद्यालय लगातार शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। साथ ही विद्यालय के दो शिक्षक और दो विद्यार्थियों का गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होना भी बड़ी उपलब्धि रही। इस अवसर पर हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले अंशिका पाल, आकाश और अंशपाल तथा इंटरमीडिएट में विज्ञान वर्ग के सूरज कुमार, कला वर्ग के हिमांशु कुमार और वाणिज्य वर्ग की छात्रा मोनिका को सम्मानित किया गया। वहीं विद्यालय के विकास में योगदान देने पर पूर्व पीटीए अध्यक्ष महेंद्र कुमार अग्रवाल को भी सम्मान प्रदान किया गया। बैठक में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, अनुशासन और निर्धारित गणवेश को लेकर भी चर्चा की गई। विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई और विद्यालयी गतिविधियों में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष रेखा भट्ट, शिक्षकगण, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। संचालन अनूप नेगी और डॉ. पदमेश बुड़ाकोटी ने किया।

आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करते अतिथि व अन्य

चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शिक्षकों ने बुझाई जंगल की आग

श्रीनगर गढ़वाल : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के शिक्षकों ने करीब 50 हेक्टेयर जंगल में लगी भीषण आग पर काबू पाया है। सबदरखाल की ओर से लगी आग तेजी से विवि परिसर की तरफ बढ़ रही थी जिससे परिसर में अफरातफरी और धुएं के कारण घुटनभरा माहौल बन गया था। सूचना मिलने पर वन विभाग की ओर से दो फॉरेस्ट गार्ड मौके पर पहुंचे लेकिन दुर्गम पहाड़ी रास्ते और खड़ी चढ़ाई के कारण आग तक पहुंचना आसान नहीं था। हालात की गंभीरता को देखते हुए परिसर निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने स्वयं शिक्षकों की टीम बनाकर मोर्चा संभाला। टीम ने नृसिंह मंदिर के नीचे आग प्रभावित क्षेत्र तक पहुंच बनाई। चीड़ की सूखी पत्तियों और घास के कारण आग तेजी से फैल रही थी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे द्वारा हरसिंहपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार के खाता संख्या 40 के खेत संख्या 55/1, 58, 61ख मध्ये 0.041 हे0 भूमि श्री विद्यादत्त पुत्र भोला से दिनांक 27.12.2004 को क्रय की गयी थी। मेरे उपरोक्त भूमि के पंजीकृत बयनामा की मूल प्रति कहीं गुम हो चुकी है, जो कि काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिल पा रही है। यदि भविष्य में उक्त मूल बयनामा की प्रति गुम होने के संबंध में कोई वाद-विवाद होता है उसकी जिम्मेदारी मेरी होगी।

मुकेश कण्डवाल पुत्र सदानन्द निवासी नजीबाबाद रोड, कौड़िया, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0524/21)

नक्सलवाद के साथ नक्सलवादी मानसिकता का खात्मा भी जरूरी

मनोज कुमार अग्रवाल

सरकार का सही दिशा में सही कदम इन क्षेत्रों और आमजन में न केवल विकास की नयी बुनियाद रखेगा वरन आमजन के भरोसे और विश्वास पर भी खरा उतरना होगा क्योंकि भौतिक तौर पर नक्सलवाद का खात्मा अलग बात है लेकिन नक्सलवादी मानसिकता को समूल नष्ट करना एक दीर्घ प्रक्रिया है और इस के लिए विश्वास भरोसा और ईमानदारी पर खरा उतरना होगा।

नक्सलवाद के लगभग पूरी तरह खत्म होने का दावा काफी हद तक सही है, क्योंकि हाल के वर्षों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की है। सरकार द्वारा निर्धारित 31 मार्च, 2026 की समय-सीमा तक वामपंथी उग्रवाद को अपने सबसे मजबूत गढ़ों (जैसे बस्तर) से काफी पीछे धकेल दिया गया है।नक्सलवाद की समाप्ति के दावों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि जमीनी कार्रवाई में बड़ी सफलतासुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियानों में भारी सफलता हासिल की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में सैकड़ों कुख्यात नक्सली कमांडरों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है और हजारों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। घटता दायरा (रेड कॉरिडोर)कभी देश के करीब 180 जिलों में फैला नक्सली प्रभाव अब सिमटकर बहुत ही कम क्षेत्रों (मुख्य रूप से दक्षिण छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाकों) तक रह गया है। मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों को आधिकारिक तौर पर नक्सल मुक्त घोषित किया जा चुका है लेकिन अभी नक्सली मानसिकता का समूल नष्ट करना बाकी है।

आपको बता दें कि भारत के लिए नक्सलवाद केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं था, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और आदिवासी समाज के भविष्य से जुड़ा एक गहरा संकट था। दशकों तक नक्सल हिंसा ने देश के अनेक हिस्सों, विशेषकर छत्तीसगढ़ के बस्तर जैसे क्षेत्रों को भय, अविश्वास और पिछड़ेपन के अंधेरे में धकेले रखा। उससे मुक्ति निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त बताते हुए यह भी कहा कि अब सरकार की जिम्मेदारी पिछले 50 वर्षों के नुकसान की भरपाई करना है और बस्तर को देश के सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्रों में शामिल करना है। सरकारी बयान के अनुसार, 3,000 आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों को सम्मानजनक जीवन देने और बस्तर को विकसित भारत की यात्रा से जोड़ने पर जोर दिया गया है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बस्तर से यह कहना कि भारत नक्सलवाद से मुक्का हो चुका है, निस्संदेह एक ऐतिहासिक क्षण है। यह घोषणा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन हजारों जवानों, पुलिसकर्मियों, स्थानीय आदिवासियों और निर्दोष नागरिकों के संघर्ष की परिणति है, जिन्होंने इस लंबी लड़ाई में अपनी जान, परिवार और भविष्य तक दांव पर लगा दिया। नक्सलवाद का इतिहास देश के लिए पीड़ा से भरा रहा है। 1970 के दशक से लेकर लंबे समय तक यह हिंसक विचारधारा गरीबों, आदिवासियों और वंचितों के नाम पर बंदूक की राजनीति करती रही। जिन लोगों के

अधिकारों की बात कर नक्सल आंदोलन खड़ा किया गया था, सबसे अधिक नुकसान भी उन्हीं गरीबों और आदिवासियों को उठाना पड़ा। स्कूल जलाए गए, सड़कें नहीं बनने दी गई, स्वास्थ्य केंद्रों का विरोध हुआ, सरकारी योजनाओं को गांवों तक पहुंचने से रोका गया और युवाओं को शिक्षा के बजाय हथियार थमा दिए गए।

आपको पता है कि यह विडंबना ही थी कि विकास के नाम पर शुरू हुआ आंदोलन विकास का सबसे बड़ा विरोधी बन गया। बस्तर इसका सबसे बड़ा उदाहरण रहा है। प्राकृतिक संपदा, आदिवासी संस्कृति और मानवीय संभावनाओं से भरपूर यह क्षेत्र लंबे समय तक भय का दूसरा नाम बना रहा। रात में आवाजाही चंद, गांवों में खामोशी, स्कूलों में ताले, सड़क निर्माण पर हमला और सुरक्षा बलों पर घात लगाकर वार, यह सब बस्तर की सामान्य पहचान बन चुका था। नक्सलियों के डर के कारण सरकारी योजनाएं कागजों में रह जाती थीं और आम आदिवासी नागरिक अपने ही देश की विकास यात्रा से कट जाता था। थान की खरीद, मुफ्त राशन, शिक्षा, नौकरी में आरक्षण, स्वास्थ्य रक्षण, स्वास्थ्य सुविधा और सड़क जैसी बुनियादी वीजें भी कई इलाकों में सपने जैसी थीं। इसलिए जब गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर के लिए यह बड़ा दिन है और देश नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है, तो यह बयान केवल राजनीतिक घोषणा नहीं माना जाना चाहिए। यह उन सुरक्षा बलों के परिश्रम की मान्यता है, जिन्होंने बेहद कठिन भौगोलिक परिस्थिति, जंगलों, पहाड़ियों और बारूदी सुरंगों के बीच संघर्ष किया। सीआरपीएफ, कोबरा कमांडो, डीआरजी, राज्य पुलिस और स्थानीय सुरक्षा बलों ने जिस साहस, धैर्य और रणनीति के साथ अभियान चलाए, यह भारत की आंतरिक सुरक्षा नीति का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। इस सफलता में स्थानीय आदिवासी समाज की भूमिका भी कम नहीं है। जब स्थानीय जनता का भरोसा शासन और सुरक्षा बलों पर बढ़ता है, तभी किसी भी हिंसक आंदोलन की जमीन कमजोर होती है। नक्सलवाद के खिलाफ जीत केवल सैन्य या पुलिस कार्रवाई से संभव नहीं थी। इसकी असली सफलता सुरक्षा और विकास के संतुलित मॉडल में निहित है। यदि बंदूक के जवाब में केवल बंदूक होती, तो समस्या शायद कमजोर होती, लेकिन समास नहीं होती। नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए जरूरी था कि गांवों तक सड़क पहुंचे, बच्चों तक स्कूल पहुंचे, बीमारों तक अस्पताल पहुंचे और युवाओं तक रोजगार पहुंचे। अब जब सरकार यह कह रही है कि बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाया जाएगा, तो मही इस सफलता की अगली कसौटी होगी। गृह मंत्री द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के 70 कैंपों को विकास के यन-स्टॉप सेंटर के रूप में विकसित करने की बात अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ यह है कि जो कैप पहले केवल सुरक्षा के प्रतीक थे, वे अब सरकारी योजनाओं, जनसेवा और विश्वास निर्माण के केंद्र बनेंगे। यदि इन केंद्रों के माध्यम से आदिवासियों को 370 सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिले, तो यह बस्तर की दिशा बदल सकता है। लेकिन इसके लिए कागजी घोषणा से अधिक जमीन पर ईमानदार क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। अधिकारी गांवों तक जाएं, आदिसी भाषाओं और संस्कृति को समझें, स्थानीय जरूरतों के आधार पर योजनाएं बनें और भ्रष्टाचार को सख्ती से रोका जाए। इसके लिए जमीन अधिकार, चन अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, इंटरनेट, सड़क, पेयजल और स्थानीय भागीदारी को प्राथमिकता देनी होगी। आदिवासी समाज को विकास का केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि भागीदार बनाना होगा। बस्तर का विकास दिल्ली या रायपुर के दफ्तरों से नहीं, बल्कि बस्तर के गांचों, युवाओं, महिलाओं और पारंपरिक नेतृत्व की सहभागिता से तय होना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कभी माओवादी हिंसा को देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती चताया था। यह स्वीकारोक्ति इस समस्या की गंभीरता को दशार्ती थी। यदि आज देश उस चुनौती से निर्णायक मुक्ति की ओर बढ़ा है, तो यह भारतीय राज्य की दीर्घकालिक क्षमता, सुरक्षा बलों के त्याग और लोकतांत्रिक शासन की मजबूती का प्रमाण है। मोदी सरकार के कार्यकाल में आंतरिक सुरक्षा, विकास और निर्णायक नीति निर्माण को लेकर कई बड़े कदम उठाए गए हैं। नक्सलवाद के विरुद्ध मिली सफलता उनमें अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाएगी, क्योंकि इसका सीधा संबंध आम नागरिक की सुरक्षा और राष्ट्र की अखंडता से है। बस्तर की देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाने का लक्ष्य केवल एक राजनीतिक बादा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जिन गांवों ने दशकों तक गोली की आवाज सुनी, यहां अब स्कूलों की घंटी बजनी चाहिए। जिन रास्तों पर बारूदी सुरंगें बिछाई जाती थीं, वहां अब एम्बुलेंस, बसें और बाजार पहुंचने चाहिए। जिन युवाओं को बंदूक दी गई थी, उनके हाथों में अब किताब, कंप्यूटर और रोजगार के अवसर होने चाहिए। यही नक्सलवाद पर अंतिम और वास्तविक विजय होगी। नक्सलमुक्त भारत की घोषणा ऐतिहासिक है, लेकिन विकसित चस्तर का निर्माण उससे भी बड़ा कार्य है। सुरक्षा बलों ने अपना कर्तव्य निभा दिया है। अब बारी शासन, प्रशासन और समाज की है। अगर बस्तर बदलेगा, तो भारत की विकास यात्रा और मजबूत होगी। सच यही है कि विकसित भारत का सपना तब तक अधूरा रहेगा, जब तक बस्तर और देश के हर आदिवासी क्षेत्र को न्यायपूर्ण विकास, सम्मान और सुरक्षा का पूरा अधिकार नहीं मिल जाता।

सरकार का सही दिशा में सही कदम इन क्षेत्रों और आमजन में न केवल विकास की नयी बुनियाद रखेगा वरन आमजन के भरोसे और विश्वास पर भी खरा उतरना होगा क्योंकि भौतिक तौर पर नक्सलवाद का खात्मा अलग बात है लेकिन नक्सलवादी मानसिकता को समूल नष्ट करना एक दीर्घ प्रक्रिया है और इस के लिए विश्वास भरोसा और ईमानदारी पर खरा उतरना होगा।

ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

व्यापार वार्ता में शामिल भारतीय अधिकारियों ने अमेरिका के सामने अब तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि हर रियायत झटकने के बाद नया दबाव बना देने की ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

भारत की दलीलों को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने स्वीकार नहीं किया। उसने अमेरिका की 2026 की विशेष 301 रिपोर्ट की निगरानी सूची में भारत को बनाए रखा है। इसका मतलब है कि बौद्धिक संपदा संबंधी नियमों में ढील देने के लिए अमेरिका भारत पर दबाव बनाए रखेगा। वह चाहता है कि भारत अपने दवा क्षेत्र को संरक्षण देने वाले कानून बदल दे, ताकि अमेरिकी कंपनियां यहां ज्यादा मुनाफा कमा सकें। धारा 301 अमेरिका का अपना कानून है। इसके बावजूद इसके तहत हुई जांच में भारत ने हिस्सा लिया। सुनवाई के दौरान दलील दी भारत के बौद्धिक संपदा संबंधी नियम विश्व व्यापार संगठन के कायदों के अनुरूप हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में और आम जन को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारतीय दवा कंपनियों को वैधानिक संरक्षण दिया गया है। साथ ही भारत ने अपने पेटेंट कानून में जरूरी सुधार किए हैं, ताकि आविष्कार भावना और जन हित दोनों के हित सध सकें। लेकिन ट्रंप प्रशासन के कदम से जाहिर है कि उसने इन तर्कों को ठुकरा दिया। उसने भारत पर तलवार लटकाए रखने का फैसला किया है। इसका संकेत है कि आगे चल कर इसके तहत वह प्रतिबंध या ऊंचा शुल्क लगाने जैसी कार्रवाइयां कर सकता है। उसने ये नजरिया तब अपनाया है, जब बताया गया है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है।

मुद्दा यह है कि क्या भारत ये वार्ता अपने ऊपर लटक रही ऐसी तलवारों के साये में कर रहा है? अपेक्षित यह है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते में तमाम क्षेत्रों में कारोबार से जुड़ी पेचीदगियों को हल कर लिया जाए। यह तो नहीं हो सकता कि कुछ वस्तुओं के आयात–निर्यात पर सहमति बने, जबकि कुछ मामलों में अमेरिका दबाव बनाए रखे। अमेरिका के ताजा कदम से यह सवाल उठना लाजिमी है कि भारतीय वार्ताकार सौदेबाजी कर रहे हैं या वे सिर्फ अमेरिकी वार्ताकारों से डिक्टेशन ले रहे हैं? उन्होंने अब तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि हर रियायत झटकने के बाद नया दबाव बना देने की ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

चिंतन-मनन

प्रतिभा और ज्ञान

एक संत को जंगल में एक नवजात शिशु मिला। वह उसे अपने घर ले आए। उन्होंने उसका नाम जीवक रखा। उन्होंने जीवक को अच्छी शिक्षा-दीक्षा प्रदान की। जब वह बड़ा हुआ तो उसने संत से पूछा, गुरुजी, मेरे माता-पिता कौन हैं? संत को जीवक के मुंह से यह सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ लेकिन उन्होंने उसे सच बताने का निश्चय किया और बोले, पुत्र, तुम मुझे घने जंगलों में मिले थे। मुझे नहीं मालूम कि तुम्हारे माता-पिता कौन हैं और कहां हैं? जीवक अत्यंत उदास होकर बोला, गुरुजी, अब आत्महीनता का भार लेकर मैं कहां जाऊं? इस पर संत उसे सांत्वना देते हुए बोले, पुत्र, इस बात से दुखी होने के बजाय तुम तक्षशिला जाओ और वहां विद्याध्ययन करके अपने ज्ञान के प्रकाश से संपूर्ण समाज को आलोकित करो। जीवक अध्ययन के लिए चल पड़ा। वहां पहुंचकर वहां के आचार्य को उसने अपने बारे में सब कुछ बता दिया।

आचार्य ने उसकी स्पष्टवादिता से प्रभावित होकर उसे विश्वविद्यालय में प्रवेश दे दिया। जीवक वहां पर कठोर परिश्रम के साथ विद्या प्राप्त करने लगा। वहां उसने आयुवेर्दाचार्य की उपाधि प्राप्त की। संपूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के बाद एक दिन आचार्य जीवक से बोले, पुत्र, अब तुम मगध जाकर वहां के लोगों की सेवा करो। यह सुनकर जीवक परेशान हो गया। आचार्य उसे दुखी देखकर बोले, कौन सी बात तुम्हें टीस रही है? जीवक बोला, आचार्य, आप तो जानते ही हैं कि मेरा कोई कुल और गोत्र नहीं है। मैं जहां भी जाऊंगा, लोग मुझ पर उंगलियां उठाएंगे। क्या आप मुझे अपने पास ही नहीं रख सकते? उसकी बात सुनकर आचार्य बोले, वत्स। तुम्हारी प्रतिभा और ज्ञान ही तुम्हारा कुल-गोत्र है। इन्हीं से तुम्हें सम्मान मिलेगा। आचार्य की बातों ने जीवक को नई दिशा दिखाई और वह मगध आ गया। वहां उसने लगन और मेहनत से काम किया। कुछ ही समय में वह पूरे मगध में आयुवेर्दाचार्य के रूप में प्रसिद्ध हो गया।

अलनीनो से प्रभावित होने के बाद भारत के पास क्या इंतजाम ?

सौरभ वार्ष्णेय

दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच अलनीनो एक बार फिर भारत के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। प्रशांत महासागर के तापमान में असामान्य वृद्धि से उत्पन्न होने वाली यह मौसमी घटना भारतीय मानसून को सीधे प्रभावित करती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में मानसून की थोड़ी-सी गड़बड़ी भी खेती, अर्थव्यवस्था, जल संकट और महंगाई पर व्यापक असर डालती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि अलनीनो का प्रभाव गहराता है, तो भारत के पास इससे निपटने के लिए क्या इंतजाम हैं?

भारत का लगभग आधा कृषि क्षेत्र आज भी वर्षा पर निर्भर है। अलनीनो के कारण मानसून कमजोर पड़ता है, वर्षा कम होती है और कई राज्यों में सूखे जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। इसका सीधा असर किसानों की आय, खाद्यान्न उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यही नहीं, बिजली उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और उद्योग भी प्रभावित होते हैं। इसलिए अलनीनो केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी है।

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारतीय मौसम विभाग अब पहले की तुलना में अधिक सटीक और समय रहते मौसम पूवार्नुमान जारी कर रहा है। उपग्रह तकनीक और आधुनिक वैज्ञानिक प्रणालियों के जरिए सरकार मानसून की स्थिति पर लगातार नजर रखती है। इससे राज्यों और किसानों को पहले से तैयारी करने में मदद मिलती है।

कृषि क्षेत्र में भी बदलाव की कोशिशें की जा रही हैं। सरकार सूखा-रोधी बीजों को बढ़ावा दे रही है तथा किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर प्रेरित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी योजनाएं किसानों को प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान की भरपाई में सहारा देती हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो सके।

जल संरक्षण की दिशा में भी कई प्रयास हो रहे हैं। जल शक्ति अभियान, तालाबों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण जैसे कार्यक्रमों पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। कई राज्यों ने स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए सामुदायिक भागीदारी भी बढ़ाई है। यह समझना जरूरी है कि भविष्य में जल ही सबसे बड़ी चुनौती बनने वाला है।

ऊर्जा क्षेत्र में भी भारत अब केवल जलविद्युत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। सौर और पवन ऊर्जा के विस्तार से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि सूखे की स्थिति में जलाशयों का स्तर घटे, तब भी बिजली संकट को नियंत्रित किया जा सकेगा।

फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि भारत पूरी तरह तैयार है। आज भी कई ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधाएं सीमित हैं। जल संरक्षण योजनाएं कागजों से आगे नहीं बढ़ पातीं। किसानों तक समय पर सही जानकारी पहुंचाने में भी कई बार कमी दिखाई देती है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जलवायु परिवर्तन अब पहले से अधिक अनिश्चित और गंभीर होता जा रहा है। अलनीनो जैसी प्राकृतिक घटनाएं हमें यह संदेश देती हैं कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। भारत को केवल राहत योजनाओं पर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति पर ध्यान देना होगा। जल संरक्षण, वैज्ञानिक खेती, हरित ऊर्जा और पर्यावरण सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना समय की मांग है।

यदि केंद्र और राज्य सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान, किसान और आम नागरिक मिलकर जिम्मेदारी निभाएं, तो भारत अलनीनो जैसी चुनौतियों का मुकाबला मजबूती से कर सकता है। संकट बड़ा है, लेकिन तैयारी और सामूहिक प्रयास उससे भी बड़े हो सकते हैं।

अलनीनो से फसलों पर पड़ेगा प्रभाव ?

विश्व मौसम व्यवस्था में होने वाले बदलावों का सबसे अधिक असर कृषि पर पड़ता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में मानसून केवल मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों किसानों की आजीविका और देश की खाद्य सुरक्षा का आधार है। ऐसे में जब प्रशांत महासागर में समुद्री तापमान बढ? से अलनीनो की स्थिति बनती है, तब उसका सीधा प्रभाव भारतीय मानसून और फसलों पर दिखाई देता है। यही कारण है कि अलनीनो को भारतीय कृषि के लिए एक गंभीर चेतावनी माना जाता है।

अलनीनो के दौरान सामान्यतः भारत में वर्षा कम होती है। मानसून कमजोर पड? से खेतों में पानी की कमी हो जाती है और खरीफ फसलें सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। धान, मक्का, सोयाबीन, दालें और गन्ना जैसी फसलें पर्याप्त वर्षा पर निर्भर रहती हैं। जब समय पर बारिश नहीं होती, तब बुआई में देरी होती है, उत्पादन घटता है और किसानों की लागत बढ़ जाती है। कई क्षेत्रों में सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। धान की खेती पर अलनीनो का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर माना जाता है। धान को अधिक पानी की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्षा कम होने पर खेत सूखने लगते हैं और उत्पादन में भारी गिरावट आती है। इसी प्रकार दालों और तिलहन की फसलें भी कमजोर मानसून से प्रभावित होती हैं। पशुपालन पर भी इसका असर पड़ता है क्योंकि चारे की उपलब्धता कम हो जाती है।अलनीनो केवल खेती तक सीमित समस्या नहीं है, बल्कि इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। जब कृषि उत्पादन घटता है तो खाद्यान्न की कीमतें बढ? लगती हैं। इससे महंगाई बढ़ती है और आम जनता पर आर्थिक बोझ पड़ता है। किसानों की आय घटने से ग्रामीण बाजारों की क्रय शक्ति भी कमजोर होती है।लांकि, वैज्ञानिक तकनीकों और सरकारी तैयारियों के माध्यम से इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। मौसम पूवार्नुमान प्रणाली को मजबूत बनाना, सूखा-रोधी बीजों का उपयोग, जल संरक्षण, ड्रिप सिंचाई और फसल विविधीकरण जैसे उपाय किसानों को राहत दे सकते हैं। सरकार को समय रहते बीमा योजनाओं और राहत पैकेजों को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए ताकि किसानों को नुकसान की भरपाई मिल सके।भारत को अब पारंपरिक खेती के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के खतरों को ध्यान में रखकर कृषि नीति बनानी होगी। अलनीनो यह संकेत देता है कि प्रकृति के बदलते स्वरूप के सामने केवल मेहनत नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सोच और बेहतर प्रबंधन भी आवश्यक है। यदि समय रहते तैयारी की जाए तो इस चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है और देश की कृषि व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।

युद्ध, अविश्वास और बयानबाजी के बीच भारत का बढ़ता सम्मान

डॉ राघवेंद्र शर्मा

हम में कब कहां क्या बोलना चाहिए या नहीं बोलना चाहिए, या फिर हमें कब कहां क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, यह सावधानी बड़े मायने रखती है। क्योंकि हमारे विद्वान कह गए हैं -

बिना बेचारे जो करे सो पांछे से पछताय।
काम बिगाड़े आपनो, जग में होत हंसाय।।

अर्थात बिना विचार किये जो भी व्यक्ति कुछ कहता या करता है, वह खुद का काम तो बिगाड़ता ही है, साथ में हंसी का पात्र भी बनता है। आज यही हालत खुद को दुनिया का ठेकेदार मानने वाले देशों और वहां के कतिपय नेताओं की हो गई है।

अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों बोला ? सब जानते हैं। इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू की दुश्मनी डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर क्यों ली? यह भी सबको पता है। रूस यूक्रेन लंबे समय से क्यों एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं, यह भी किसी से छुपा नहीं है। रह जाती है खाड़ी देशों की बात, तो वहां से भी अच्छे समाचार नहीं मिल रहे। आपस में एक दूसरे के ठिकानों पर बमबारी करने की मजबूरी देखने को मिल रही है। लेकिन वैश्विक और क्षेत्रीय कुछ नेताओं ने युद्ध से पहले और युद्ध के दौरान जो कहा और किया, उस कृत्य ने उनकी वैश्विक छवि को हास्यास्पद बना दिया है। मसलन - ईरान को बर्बाद कर देने के दावे करने के बावजूद ईरान का और ज्यादा आक्रामक होते चले जाना, यूरोपीय एकता की मिसाल कहे जाने वाले नाटो का हालातो से किनारा कर जाना, युद्ध में अपनी जमीन का दुरुपयोग ना होने देंगे संबंधी फ्रांस का दो टूक जवाब, सीज फायर की नौबत आन पड़ी तो एक ओर समझौते की बात करना फिर साथ में इस युद्ध में उलझे हुए देशों द्वारा एक दूसरे को खत्म करने की धमकी भी देते चले जाना, ऐसे मामले हैं जो उपरोक्त मामलों में विद्वता झाड़ रहे बड़बोले नेताओं की गंभीरता को कम करते हैं। नतीजा यह है कि विश्व समझ ही नहीं पा रहा, परस्पर एक दूसरे से जूझ रहे देश के नेताओं की कौन सी बात मानें और कौन सी नहीं। यानि असमय और हर वक्त मुंह चलाने की आदत ने शाब्दिक जुगाली करने के आदी नेताओं को अविश्वसनीय बना दिया है। हालत यह बन गए हैं कि एक देश का राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे को गंभीरता से लेना ही नहीं चाहता। हालत ये हो गई कि कल जिन देशों को शत्रु राष्ट्र समझा जा रहा था अब उन का साथ बैठना दोनों की मजबूरी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन जग हंसाई इस पर भी हो रही है कि नेता आपस में मिल रहे है। कैसे भी जंग समाप्त हो, इसके सच्चे झूठे रास्ते भी तलाश रहे हैं। लेकिन इसे अविश्वास की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि स्वयं को विश्व का ठेकेदार समझने वाले ऐसे वातार्कार साझा प्रेस कांफ्रेंस करने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहे । उससे भी ज्यादा अपमानजनक हालत यह बने कि एक राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे राष्ट्र की यात्रा पर जा रहा है तो यजमान राष्ट्राध्यक्ष द्वारा प्रोटोकॉल के तहत आगंतुक अति विशिष्ट जन की सम्मानजनक अगवानी तक नहीं की जा रही

कुल मिलाकर अमेरिका ईरान का सीज फायर संकट में है। हॉर्मुज स्ट्रेट का मामला सिर दर्द बना हुआ है। रूस यूक्रेन पहले की तरह ही मोर्चे पर डटे हुए हैं। किसी की ताइवान तो किसी की क्यूबा पर गंदी नजर है। जिन्हें खुद पर गुरुर था अब वो खुद चलकर उन देशों की यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें कल तक शत्रु देश कहा जा रहा था। हद तो यह है कि शाब्दिक जुगलियों के लिए बदनाम हो चुके स्वयंभू विद्वानों को मध्यस्थता के लिए भी मिला तो पाकिस्तान। वह पाकिस्तान, जिसके बारे में कहा जाता है कि कल उसका अस्तित्व दुनिया के नक्शे पर रहेगा भी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। क्योंकि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को पाल पोसकर अपनी मौत का बंदोबस्त कर चुका है।

बड़ा आश्चर्य होता है यह सोचकर कि हमारे देश के अनेक विपक्षी नेता काफी चिल्लपों इस बात पर मचा रहे थे कि इतना सब हो रहा है, पर हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कुछ नहीं बोल रहे। इस बात पर भी आपत्ति जताई गई कि बोलते भी हैं तो बेहद कम और अपने मतलब की बात करते हैं। अब जब पूरा वैश्विक परिदृश्य सामने है, तब ऐसे स्वयंभू ज्ञानियों को समझाना थोड़ा आसान प्रतीत होता है कि इस अशांति पूर्ण माहौल में अकारण मुंह चलाने वालों की कैसी दुर्दशा हो रही है? लेकिन एक हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हैं, जो चुपचाप अपना कार्य करते चले जा रहे हैं। बड़बोले नेताओं के देश ईंधन से मेहरूम होकर बबार्दी की कगार पर हैं। जहां थोड़ा बहुत ईंधन है भी तो दाम दुगने चौगुने करने की लाचारी है। लेकिन भारत एकमात्र ऐसा देश है जो भारी हिंसा और युद्ध कालीन विभीषिकाओं के बीच भी शांति का टापू बना हुआ है। हमारे यहां डीजल पेट्रोल और रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। कारण सिर्फ यही है कि हमारे नेता श्री नरेंद्र मोदी दूसरों के मामले में अपनी टांग फंसाने का शौक नहीं रखते। और ना ही उन्हें यह मंजूर है कि कोई हमारे मामलों में अपनी नाक घुसेड़े। वे अमेरिका और इजरायल से बात करते हैं तो ईरान सहित अन्य खाड़ी देश का भी सम्मान बनाए रखते हैं। जहां भी बात करते हैं तो नेशन फर्स्ट की सोच आगे रखकर ही बेहद सधे हुए कदम बढ़ाते हैं। इसी परिपक्वता का परिणाम है

कि प्रधानमंत्री श्री मोदी हाल ही में जब 5 देशों की यात्रा पर गए तो हमेशा की तरह इस बार भी वहां के राष्ट्राध्यक्षों ने उनका बढ़-चढ़कर सम्मान किया। यहां तक कि उन्हें सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत किए जाने की श्रृंखला लंबी होती रही। यही नहीं, उक्त देशों ने भारत के साथ आर्थिक, ऊर्जा, सुरक्षा और तकनीकी सहयोग के मामलों में बेहद प्रसन्नता के साथ अनुबंध किये।

इससे स्पष्ट हो जाता है कि वैश्विक स्तर पर भारत का दबदबा अन्य देशों की अपेक्षा ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में वर्तमान भारत की आवाज और उसकी अपेक्षाओं को गंभीरता से लिया जाता है। काश यह बात दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ हमारे देश के विपक्षी नेताओं की समझ में भी आ जाती।

(- लेखक मध्यप्रदेश योग आयोग के अध्यक्ष हैं।)

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र में हमास को निरस्त्र करने की मांग तेज

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में गाजा युद्धविराम समझौते की निगरानी कर रहे अधिकारियों ने हमास को हथियार छोड़ने के लिए हरसंभव दबाव बनाने की अपील की है। अमेरिका समर्थित शांति बोर्ड के प्रतिनिधि निकोलाय म्लादेनोव ने कहा कि गाजा में हिंसा का हर नया दौर संघर्षविराम को कमजोर कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समाधान नहीं निकला तो गाजा का मानवीय संकट और गहरा जाएगा। म्लादेनोव ने कहा कि हमास को चरणबद्ध तरीके से हथियार छोड़ने होंगे, जबकि इस्राइल को भी युद्धविराम की शर्तों का पालन करना चाहिए। हमास ने इस रिपोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें इस्राइल की कथित उल्लंघनों को नजरअंदाज किया गया है। गाजा में जारी मानवीय संकट, सीमित राहत सामग्री और लगातार सैन्य तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

कांगो में इबोला सेंटर को भीड़ ने जलाया, बढ़ा तनाव

किंशासा, एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इबोला संक्रमण को लेकर बढ़ते डर और गुस्से के बीच लोगों ने एक उपचार केंद्र में आग लगा दी। वांमपारा कस्बे में स्थानीय युवकों ने उस समय हिंसक प्रदर्शन किया जब प्रशासन ने इबोला से मृत संदिग्ध व्यक्ति का शव परिवार को सौंपने से रोक दिया। गुस्साई भीड़ ने इलाज केंद्र में तोड़फोड़ कर आग लगा दी, जिसके बाद स्वास्थ्यकर्मियों को वहां से भागना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक इबोला पीड़ितों के शव बेहद संक्रामक होते हैं, इसलिए विशेष प्रोटोकॉल के तहत अंतिम संस्कार कराया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि संक्रमण के मामले आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकते हैं। अब तक करीब 148 संदिग्ध मौतें और लगभग 600 संभावित मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि हालात तेजी से बिगड़ सकते हैं।

डेमोक्रेटिक रिपोर्ट में कमला हैरिस की रणनीति पर सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। डेमोक्रेटिक की पोस्ट-इलेक्शन रिपोर्ट में पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की चुनावी रणनीति की आलोचना की गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि हैरिस ने ग्रामीण अमेरिका की उपेक्षा की और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पर्याप्त आक्रामक प्रचार नहीं किया। 192 पन्नों की इस रिपोर्ट में कहा गया कि डेमोक्रेटिक पार्टी आइडेंटिटी पॉलिटिक्स पर जरूरत से ज्यादा निर्भर रही और आम मतदाताओं की आर्थिक चिंताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दे सकी। रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी पुरुष मतदाताओं, खासकर रंगभेद झेलने वाले समुदायों के पुरुषों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पाई। डेमोक्रेटिक रणनीतिकारों ने रिपोर्ट जारी करने में देरी और नेतृत्व की कार्यशैली पर भी नाराजगी जताई। इस रिपोर्ट ने पार्टी के भीतर 2024 चुनावी हार को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

यूक्रेन ने रूस में तेल रिफाइनरी पर साधा निशाना

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने बुधवार रात ड्रोन हमले कर रूस के अंदरुनी इलाके में तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई और धुएं का गुबार देखा गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को यह दावा किया। यूक्रेन द्वारा रूस के महत्वपूर्ण तेल उद्योग पर लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों से हमला करने की यह नई घटना है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर हमले का एक कथित वीडियो साझा करते हुए कहा कि ड्रोन ने रूस में 800 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित सिजरान तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया।

सिंगापुर के पास अमेरिका के पकड़े गए 20 ईरानी नाविक लौटे स्वदेश

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के तट के पास अमेरिका के जब्त किए गए एक जहाज पर सवार 20 ईरानी नाविक वापस ईरान लौट आए हैं। ईरानी आधिकारिक समाचार एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने बृहस्पतिवार को बताया कि ईरानी विदेश मंत्री, उनके पाकिस्तानी और सिंगापुर के समकक्षों के कूटनीतिक प्रयासों के बाद इन नाविकों की घर वापसी मुमकिन हो पाई है।

बालेंद्र की संसद में अनुपस्थिति पर हंगामा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की संसद से निरंतर अनुपस्थिति को लेकर बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने सदन में जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इसके चलते सदन की कार्यवाही बाधित हुई और अंततः सदन को स्थगित करना पड़ा। गत सप्ताह सत्र शुरू होने के बाद से तीसरी बार विपक्ष ने बालेंद्र शाह की अनुपस्थिति के विरोध में प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही को बाधित किया और बैठकों का बहिष्कार किया।

परमाणु हथियार से पश्चिम एशिया में हो सकता है बड़ा युद्ध, नहीं दे सकते इजाजत'; ट्रंप की ईरान को चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान को लेकर एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने ईरान को कड़ी चेतावनी देने के साथ-साथ बातचीत से मसले सुलझाने की बात भी कही है। ट्रंप प्रशासन ने साफ कर दिया है कि वे तेहरान को किसी भी हाल में परमाणु हथियार बनाने या रखने की इजाजत नहीं दे सकते। यह बयान ऐसे समय में आया है जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली तेल की सप्लाई को लेकर पूरी दुनिया में चिंता बनी हुई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा जारी है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्या कहा : इस बीच, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के दौरे पर निकलने से पहले मियामी एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने ईरान को सख्त लहजे में चेतावनी दी। रुबियो ने कहा कि अगर ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर किसी भी तरह का टोल या शुल्क लगाने की कोशिश की, तो अमेरिका इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि समुद्र के इस रास्ते पर टोल सिस्टम बिल्कुल मंजूर नहीं है। अमेरिका इस मामले में बहरीन की ओर से लाए गए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का पूरा समर्थन कर रहा है। इस प्रस्ताव को दुनिया के 100 से ज्यादा देशों का साथ मिला है, जो सुरक्षा परिषद के इतिहास में एक बड़ी बात है। रुबियो ने कहा कि दुनिया में कोई भी टोल सिस्टम के पक्ष में नहीं है। अगर ईरान इस दिशा में आगे बढ़ता है, तो किसी भी कूटनीतिक समझौते तक पहुंचना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

क्या बोले ट्रंप : इसके बाद व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप ने भी अपनी बात रखी। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का पूरा नियंत्रण है। उन्होंने इसे 'स्टील की दीवार' जैसा मजबूत बताया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की मर्जी के बिना वहां से कोई भी जहाज नहीं गुजर सकता। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान पहुंचा है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका ने ईरान की नौसेना और वायुसेना को पूरी तरह खत्म कर दिया है। साथ ही ईरान की ज्यादातर मिसाइल क्षमता भी अब खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने परमाणु हथियारों के मुद्दे को अपनी सरकार की सबसे बड़ी विदेश नीति प्राथमिकता बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु हथियार हासिल कर लेता है, तो मध्य पूर्व में परमाणु युद्ध छिड़ सकता है। इस युद्ध की आग अमेरिका और यूरोप तक भी पहुंच सकती है। ट्रंप ने कहा कि वे बातचीत का रास्ता खुला रखे हुए हैं, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी मौजूद है। उन्होंने दो टूक कहा कि या तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि ईरान के पास परमाणु हथियार न हों, वरना अमेरिका को कोई बहुत बड़ा कदम उठाना पड़ेगा।

मार्को रुबियो ने भारत के साथ रिश्तों पर कही ये बात : मार्को रुबियो ने भारत के साथ रिश्तों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत एक बेहतरीन सहयोगी और साझेदार है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव के कारण भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर चिंतित है। रुबियो ने भरोसा दिलाया कि अमेरिका भारत को उसकी जरूरत के मुताबिक ऊर्जा बेचने के लिए तैयार है। अपनी भारत यात्रा के दौरान वे ऊर्जा सहयोग और क्वाड समूह की बैठकों में हिस्सा लेंगे।

गाजा कार्यकर्ताओं को इस्राइल ने किया निर्वासित

गाजा , एजेंसी। इस्राइल ने गाजा की नौसैनिक नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले सैकड़ों एक्टिविस्ट कार्यकर्ताओं को हिरासत के बाद निर्वासित कर दिया। करीब 420 कार्यकर्ता विमानों के जरिए तुर्किये पहुंचे, जहां इस्तांबुल एयरपोर्ट पर उन्होंने फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए। कई देशों ने कार्यकर्ताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर इस्राइली दूतों को तलब किया। इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर की आलोचना करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों के साथ किया गया व्यवहार इस्राइल के मूल्यों के अनुरूप नहीं था। कुछ कार्यकर्ताओं ने हिरासत के दौरान मारपीट और प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं, हालांकि इस्राइली जेल अधिकारियों ने इन दावों को खारिज किया है। गाजा पर 2007 से लागू समुद्री नाकेबंदी को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस और विरोध लगातार तेज होता जा रहा है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सऊदी अरब का बड़ा फैसला, कंसल्टिंग फर्मों के नए कॉन्ट्रैक्ट्स किए सस्पेंड

रियाद , एजेंसी। अमेरिका-ईरान संघर्ष और पश्चिम एशिया में फैले व्यापक संकट के चलते सऊदी अरब ने देश में कार्यरत पश्चिमी परामर्श कंपनियों के साथ नए अनुबंधों को निलंबित कर दिया है। साथ ही कुछ भुगतानों में भी देरी की गई है। बताया जा रहा है कि बढ़ते वित्तीय घाटे और तेल आय पर पड़े असर से निपटने के लिए रियाद यह कदम उठाने को मजबूर हुआ है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग तीन महीने तक चले अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष ने होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाने वाले जहाजरानी मार्गों को बुरी तरह प्रभावित किया। इससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आया, आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हुईं और कई आवश्यक वस्तुओं की कमी पैदा हो गई। दरअसल, संघर्ष शुरू होते ही सऊदी सरकार ने नए अनुबंधों पर रोक लगा दी। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, मैकिन्से, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और बिग फोर अकाउंटिंग-एडवाइजरी कंपनियों समेत कई प्रमुख परामर्श फर्मों के अधिकारियों ने बताया कि रियाद ने औपचारिक घोषणा तो नहीं की, लेकिन सभी को साफ संकेत दे दिया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि वे कह रहे हैं कि जुलाई तक भुगतान नहीं करेंगे। वहीं, दूसरे अधिकारी ने बताया कि नए समझौतों और बिलों के भुगतान संबंधी फैसले दूसरी तिमाही के अंत तक टाल दिए गए हैं।

बताया जा रहा है कि यह कदम क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की महत्वाकांक्षी 'विजन 2030' योजना के तहत सरकारी खर्च को नियंत्रित करने की दिशा में एक और प्रयास है। योजना का मकसद तेल पर निर्भरता घटाना, आर्थिक विविधीकरण करना और सऊदी अरब को वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख खिलाड़ी बनाना है। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि ईरान की होर्मुज स्ट्रेट को अवरुद्ध करने की क्षमता के कारण सऊदी अरब को अपने रक्षा खर्च और लाल सागर के बुनियादी ढांचे पर अतिरिक्त निवेश करना पड़ सकता है। इससे बजट पर और दबाव बढ़ेगा। सऊदी अरब के वित्त मंत्रालय ने रिपोर्ट के दावों को आंशिक रूप से खारिज करते हुए कहा कि सरकार सभी निवेशों और परामर्श सेवाओं से विजन 2030 के रणनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप स्पष्ट प्रतिफल सुनिश्चित करती है। मंत्रालय ने दावा किया कि वर्ष 2026 में 99.5 प्रतिशत बिलों का भुगतान निर्धारित समयसीमा के अंदर ही किया गया था।

ट्रंप ने पोलैंड में पांच हजार अतिरिक्त अमेरिकी सैनिक भेजने का किया ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनकी सरकार पोलैंड में अतिरिक्त पांच हजार अमेरिकी सैनिक भेजेगी। ट्रंप ने सोशल मी?डि?या प्?लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोकी की सफल जीत और उनके साथ हमारे अच्छे रिश्तों को देखते हुए, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका पोलैंड में अतिरिक्त 5,000 सैनिक भेजेगा। मुझे राष्ट्रपति का समर्थन करने पर गर्व है।' समाचार एजेंसी सि?न्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह टिप्पणी पेंटागन की ओर से पोलैंड में 4,000 से अधिक यूएस-आधारित सैनिकों की नियोजित तैनाती को अचानक टालने के एक सप्ताह बाद आई है। पिछले साल पोलैंड में कैरोल नावरोकी राष्ट्रपति चुने गए थे। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समय यूरोप में करीब 80,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं, जिनमें से लगभग 10,000 पोलैंड में तैनात हैं। इससे पहले पेंटागन ने यह भी घोषणा की थी कि अगले 6 से 12 महीनों में करीब 5,000 अमेरिकी सैनिकों को जर्मनी से वापस बुलाया जाएगा। उधर, जब पेंटागन ने पोलैंड में अमेरिकी सैनिकों की अस्थायी तैनाती की योजना रद्द की, तब अमेरिकी यूरोपीय कमांड के प्रमुख को 'सैनिकों की संख्या कम करने' के निर्देश दिए गए थे। यह जानकारी अमेरिकी सेना के कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ क्रिस्टोफर लानेव ने पिछले हफ्ते कांग्रेस की सुनवाई में दी।

लानेव ने 'दूसरी आर्म्ड ब्रिगेड कॉम्बैट टीम' का जि?क्र करते हुए कहा, 'मैंने उनके साथ मिलकर इस पर चर्चा की कि कौन-सी यूनिट कम की जाए, और यह फैसला लिया गया कि उस ब्रिगेड की तैनाती फिलहाल न की जाए।' जनरल ने बताया कि यूनिट के कुछ हिस्से पहले ही विदेश भेजे जा चुके थे और उसका सैन्य सामान रास्ते में था। उन्होंने यह भी कहा कि तैनाती रद्द करने का आदेश अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के दफ्तर से आया था। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

डोनाल्ड ट्रंप के बाद अब शहबाज शरीफ जाने वाले हैं चीन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीन की यात्रा करने वाले हैं। चीन के प्रधानमंत्री ली क्वियांग ने उन्हें बुलावा भेजा है। शरीफ की चीन यात्रा 23 से 26 मई के बीच होगी। इस दौरान वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली क्वियांग से मिलेंगे। बता दें कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन की यात्रा से लौटे हैं। चीन यात्रा के दौरान ट्रंप और जिनपिंग ने ईरान युद्ध और ताइवान समेत विभिन्न मुद्दों पर बात हुई। अब देखने वाली बात यह है कि शरीफ चीन पहुंचकर क्या खिचड़ी पकाते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता, गुओ जियाकुन ने कहाकि शरीफ का दौरा दोनों देशों के बीच काफी अहम होने वाला है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर करीबी संवाद और समन्वय बनाए रखा है। साथ ही अपने साझा

हितों की प्रभावी रूप से सुरक्षा की है। उन्होंने कहाकि इसके अलावा हमने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास को बढ़ावा दिया है। चीन को उम्मीद है कि इस अवसर का इस्तेमाल करते हुए दोनों देश, परंपरागत दोस्ती, सभी स्तर के सहयोग और एकता का नया अध्याय लिखेंगे। गुओ ने कहाकि हमारी कोशिश है कि चीन-पाकिस्तान समुदाय नए समय में एक साझा भविष्य की नींव रखे।

जिनपिंग ने जरदारी से की थी बात : बता दें कि गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष आसिफ अली जरदारी को दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर भी शुभकामनाएं दीं। सरकारी समाचार एजेंसी, शिन्हुआ मुताबिक, शी ने इस संदेश में कहाकि चीन और पाकिस्तान अच्छे दोस्त। साथ ही सभी मौसमों में सहयोगी रणनीतिक साझीदार हैं। हम पहाड़ों और नदियों से जुड़े हैं और सुख-दुःख साझा करते हैं। चीनी नेता ने कहाकि कूटनीतिक संबंध बनने के 75 साल के बाद से चीन और पाकिस्तान के बीच दोस्ती हमेशा से मजबूत और अटूट रही है।

चीनी राष्ट्रपति ने आगे कहाकि दोनों देशों ने लंबे समय से उच्च-स्तरीय आपसी राजनीतिक विश्वास, व्यावहारिक सहयोग, सुरक्षा सहयोग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बनाए रखा है। यह दोनों देशों के बीच संबंधों को आदर्श रूप में दिखाता है। जिनपिंग ने कहाकि वे चीन-पाकिस्तान संबंधों को महत्वपूर्ण मानते हैं। साथ ही जरदारी के साथ मिलकर इस वर्षगांठ को एक अवसर के रूप में इस्तेमाल करने को तैयार हैं ताकि संबंधों को और बेहतर बनाया जा सके। साथ ही जिनपिंग ने पारंपरिक दोस्ती को बढ़ाने, सभी पहलुओं के सहयोग को और बेहतर करने पर जोर दिया।

प्रवासियों पर अमेरिका सख्त: नए आदेश से बढ़ी मैक्सिको की चिंता, राष्ट्रपति शीनबॉम ने उठाया ये कदम

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने कहा है कि उनकी सरकार अमेरिका के नए आदेश का असर का विश्लेषण कर रही है। यह आदेश उन प्रवासियों पर लागू हो सकता है जो बिना कानूनी दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहे हैं। इसके तहत ऐसे लोगों के लिए अमेरिकी बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच मुश्किल हो सकती है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति शीनबॉम से उनकी रोजाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा गया कि क्या इस फैसले का असर अमेरिका से मैक्सिको भेजे जाने वाले पैसों पर पड़ेगा। ये वही पैसे हैं, जिन्हें वहां काम कर रहे मैक्सिकन नागरिक अपने परिवारों को भेजते हैं। उन्होंने बताया कि मैक्सिको का वित्त मंत्रालय और अमेरिका में नए मैक्सिकन राजदूत रॉबर्टो लाजेरी मिलकर इस मामले का अध्ययन कर रहे हैं। फिलहाल उनकी शुरुआती राय है कि इससे कोई बड़ा खतरा नजर नहीं आ रहा।

अमेरिका ने उठाया क्या कदम : अमेरिका का यह एग्जीक्यूटिव ऑर्डर सीमा-पार होने वाले पैसों के लेन-देन और बैंक खाते खोलने या अन्य बैंकिंग सेवाओं के लिए इस्तेमाल होने वाली पहचान-पत्रों की निगरानी को और सख्त बनाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस नए कदम से अब बैंक और वित्तीय रिकॉर्ड भी इमिग्रेशन जांच के दायरे में आ सकते हैं। इससे कई प्रवासियों की गतिविधियों पर ज्यादा नजर रखी जा सकती है। व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप ने 19 मई को एक आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें बैंकों और वित्तीय नियामक संस्थाओं को कहा गया है कि वे ग्राहकों की नागरिकता और इमिग्रेशन स्थिति से जुड़े संदिग्ध संकेतों पर नजर रखें। यह कदम अवैध प्रवासियों के खिलाफ चलाए जा रहे बड़े अभियान का हिस्सा माना जा रहा है।

प्रवासियों पर क्या बोले ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'इनमें से कई कर्जदारों को देश से निकाले जाने का डर है। या फिर उनके नियोक्ताओं (मालिकों) द्वारा इमिग्रेशन कानूनों का पालन करने के कारण उन्हें अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है। कानूनी तौर पर काम करने की अनुमति न रखने वाले विदेशियों को कर्ज देना बैंकिंग व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। जिन लोगों पर कमाई बंद होने का बड़ा जोखिम हो, उन्हें ऋण देने से 'कर्ज चुकाने की क्षमता' का संकट पैदा होता है। यह स्थिति हमारी राष्ट्रीय बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करती है। इसी बीच, अमेरिकी कांग्रेस में विदेश भेजे जाने वाले पैसों यानी रेमिटेंस पर 5 प्रतिशत टैक्स लगाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा चल रही है। अभी केवल नकद लेनदेन पर 1 प्रतिशत टैक्स लगता है। मैक्सिको के अधिकारियों का कहना है कि अगर ऐसा टैक्स लगाया गया तो यह 'दोहरी टैक्स वसूली' जैसा होगा।

अंधाधुंध गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला होंडुरास, छह पुलिसकर्मियों समेत 25 लोगों की हत्या

तेगूसिगल्पा, एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश होंडुरास से एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां हथियारबंद बदमाशों ने दो अलग-अलग जगहों पर अंधाधुंध गोलीबारी की है। इस भयानक हमले में कम से कम 25 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। मरने वालों में पुलिस के छह जवान भी शामिल हैं। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

यह खूनी खेल गुरुवार को होंडुरास के तटीय इलाकों में खेला गया। अधिकारियों के मुताबिक, पहला हमला उत्तरी होंडुरास के ट्रूजिलो नगर पालिका क्षेत्र के एक बागान में हुआ। यहां काम कर रहे कम से कम 19 मजदूरों को गोलियों से भून दिया गया। इसके बाद दूसरा हमला ग्वाटेमाला सीमा के पास ओमोआ इलाके में हुआ, जहां बदमाशों ने पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में एक वरिष्ठ अधिकारी समेत छह पुलिसकर्मियों की जान चली गई।

ट्रूजिलो के बागान में क्यों हुआ यह खूनी संघर्ष : ट्रूजिलो का इलाका प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है और यहां दशकों से जमीन और खेती को लेकर खूनी संघर्ष चलता आ रहा है। यह इलाका पर्यावरण और भूमि अधिकारों की रक्षा करने वालों के लिए बहुत खतरनाक माना जाता है। गैर-सरकारी संगठन 'ग्लोबल विटनेस' के अनुसार, होंडुरास पर्यावरणविदों के लिए दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है। साल 2024 में यहां पर्यावरण नेता जुआन लोपेज की हत्या कर दी गई थी। यहां जमीन और जंगल बचाने वाले कार्यकर्ताओं को अक्सर धमकियां मिलती हैं।

पुलिसकर्मियों पर बदमाशों ने क्यों किया जानलेवा हमला : ओमोआ में मारे गए छह पुलिसकर्मी एक विशेष 'एंटी-गैंग मिशन' (गैंगस्टर विरोधी अभियान) पर निकले थे। पुलिस के मुताबिक, यह टीम राजधानी टेगुसिगाल्पा से ओमोआ जा रही थी, तभी रास्ते में बदमाशों ने उन पर गोलियों की बौछार कर दी। होंडुरास लंबे समय से खतरनाक गैंग (गिरोह) और नशीले पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। विश्व बैंक के अनुसार 2011 के बाद से यहां हत्या की दर में कमी आई थी।

इसरो ने फिर रचा इतिहास! अमेरिका की धरती पर चंद्रयान-3 मिला अंतरिक्ष का सबसे बड़ा सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत के ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन ने एक बार फिर पूरी दुनिया में देश का मान बढ़ाया है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहली बार सफल लैंडिंग कर इतिहास रचने वाले इस मिशन को अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स (एआईएए) ने '2026 गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड' से नवाजा है। 21 मई को वाशिंगटन डीसी में आयोजित एक खास समारोह में इस मिशन को अंतरिक्ष विज्ञान के इस सबसे बड़े सम्मान से सम्मानित किया गया।

इसरो की ओर से राजदूत विनय क्वात्रा ने लिया अवार्ड : एआईएए एसेंड 2026 सम्मेलन के दौरान, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की तरफ से अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने यह अवार्ड स्वीकार किया। इस गौरवशाली अवसर पर राजदूत क्वात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्पेस विजन 2047' की रूपरेखा पेश की। उन्होंने डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन (गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण), मानव अंतरिक्ष मिशन और भारत के तेजी से उभरते कमर्शियल स्पेस सेक्टर की जानकारी दुनिया के सामने रखी। इसके साथ ही, उन्होंने अंतरिक्ष खोज के क्षेत्र में भारत और अमेरिका की सरकारों, उद्योगों और रिसर्च संस्थानों के बीच साझेदारी को और गहरा करने का आह्वान किया।

क्यों खास है चंद्रयान-3 की यह उपलब्धि : 23 अगस्त 2023 अंतरिक्ष जगत के लिए एक मील का पत्थर है। इसी दिन चंद्रयान-3 ने

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट लैंडिंग की थी और ऐसा करने वाला यह दुनिया का पहला स्पेसक्राफ्ट बन गया था। चांद का यह हिस्सा वैज्ञानिक और रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है, जहां इससे पहले कभी सतह पर जाकर खोज नहीं की गई थी। इस मिशन ने न सिर्फ भविष्य के मानव मिशनों के लिए महत्वपूर्ण डेटा भेजा, बल्कि चांद की मिट्टी में कई अहम रसायनों की मौजूदगी की भी पुष्टि की। इन स्थानीय संसाधनों से भविष्य में चांद की सतह पर मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स चलाने की संभावनाएं भी खुल गई हैं।

क्या है 'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड' : गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड एआईएए द्वारा अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में शानदार उपलब्धियों के लिए दिया जाने वाला सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सम्मान है। यह पुरस्कार किसी खास व्यक्ति या टीम को दिया जाता है।

इस पुरस्कार की शुरुआत श्रीमती गोडार्ड ने अपने पति रॉबर्ट एच. गोडार्ड की याद में की थी। रॉबर्ट गोडार्ड एक विजनरी, बेहतरीन इंजीनियर और लिक्विड रॉकेट इंजन के प्रणेता थे, जिनके शुरुआती प्रयोगों ने अंतरिक्ष विज्ञान की नींव रखी थी। साल 1975 में इंस्टीट्यूट ने इस पुरस्कार के चयन के दायरे को बढ़ाते हुए इसे इसका मौजूदा नाम और स्वरूप दिया था।

फिल्में सिर्फ समाज सुधार के लिए नहीं बनती

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म 'सिस्टम' रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त सोनाक्षी ने सिनेमा के उद्देश्य पर बात की। अपनी स्पष्ट राय रखते हुए उन्होंने बताया कि फिल्मों का एकमात्र मकसद समाज में बदलाव लाना नहीं है। फिल्में सिर्फ समाज सुधारने के लिए नहीं, मनोरंजन के लिए भी बनती हैं। अभिनत्री का मानना है कि फिल्में मुख्य रूप से मनोरंजन के लिए बनाई जाती हैं और नैतिक शिक्षा देना फिल्म मेकर्स का काम नहीं है। खास बातचीत में सोनाक्षी ने कहा, 'मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि फिल्मों को सिर्फ समाज को सही रास्ते पर लाने का जरिया माना जाए। फिल्में मनोरंजन के लिए भी बनाई जाती हैं। सही और गलत की शिक्षा हमें अपने माता-पिता और स्कूल से मिलनी चाहिए। यह एक्टर्स या फिल्म मेकर्स काम नहीं है।' सोनाक्षी ने बताया, 'आज हम एक वकील की कहानी बनाएंगे, कल हम एक सीरियल किलर की कहानी बना सकते हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि लोग जाकर दूसरों को मारना शुरू कर दें। नैतिक मूल्य और सिद्धांत घर पर सिखाए जाते हैं। यह सिखाना हमारा काम नहीं है।' अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि फिल्मों में 12, 16 या 18 साल के दर्शकों के लिए उम्र के हिसाब से रेटिंग्स होती हैं। दर्शक खुद सही और गलत के बीच फर्क समझने में सक्षम हैं। सोनाक्षी ने बताया, 'कई बार फिल्मों को लेकर बड़ी बहस छिड़ जाती है कि यह गलत है, इसे दिखाना नहीं चाहिए। माफ कीजिए, लेकिन फिल्म एक कहानी है। दर्शकों को फिल्म को मनोरंजन के तौर पर देखना चाहिए। आखिरकार यह सिर्फ एक कहानी होती है। उन्होंने यह भी कहा कि कला समाज का आईना होती है। फिल्में अक्सर असल जिंदगी की घटनाओं या सच्ची कहानियों पर आधारित होती हैं। अगर कोई फिल्म 'सिस्टम' की तरह दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दे तो यह अच्छी बात है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर फिल्म समाज सुधारने की जिम्मेदारी ले। फिल्म का निर्माण पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने किया है। अश्विनी अय्यर की फिल्म में सोनाक्षी के साथ अभिनेत्री ज्योतिका भी नजर आएंगी।

एक बार धोखेबाज का टैग लग गया तो हटता नहीं

सारा अली खान और आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। फिल्म प्यार, शादी, शक और धोखे पर आधारित है। इस बीच सारा अली खान ने रिश्ते में चीट करने यानी धोखा देने को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने 'वन्स अ चीटर ऑलवेज अ चीटर' वाली कहावत पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

सारा बोलीं- एक बार धोखा देने वाला, धोखेबाज ही होता है

हाल ही में रेड एफएम के साथ एक बातचीत के दौरान जब सारा अली खान से 'वन्स अ चीटर ऑलवेज अ चीटर' वाली थ्योरी पर राय मांगी गई, तो एक्ट्रेस ने इससे सहमति जताई। सारा ने कहा, 'मैं मानती हूं कि एक बार धोखा देने वाला, हमेशा धोखेबाज होता है। क्योंकि उसने धोखा दिया है। धोखेबाज की परिभाषा क्या है? अगर किसी ने धोखा दिया है, तो वह धोखेबाज है।' हालांकि, फिल्म के साथी कलाकारों आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह ने सारा के मत से सहमति नहीं जताई।

आयुष्मान और रकुल ने सारा से जताई असहमति

आयुष्मान खुराना ने इस कहावत पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'एक बार धोखा देने वाले से एक बार धोखा देने वाले बनने तक का सफर होता है। कोई भी जन्म से धोखा देने वाला नहीं होता।' वहीं रकुल प्रीत सिंह ने भी आयुष्मान से सहमति जताते हुए कहा कि जरूरी नहीं कि वह व्यक्ति दोबारा धोखा दे। हालांकि, सारा इससे सहमत नहीं थीं और उन्होंने कहा, 'आपको धोखेबाज का लेबल लग जाता है और इसे बदला नहीं जा सकता। अगर वह धोखेबाज है, तो संभावना है कि वह दोबारा धोखा देगा, लेकिन शायद नहीं भी दे। एक बार धोखा देने के बाद आप यह कहने का अधिकार खो देते हैं कि यह मेरे बस की बात नहीं है, मैं इसे दोबारा कभी नहीं करूंगा। आप धोखेबाज हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि आप दोबारा धोखा दें। यह एक अलग बात है। मैं यह नहीं कह रही हूं कि वह फिर से धोखा देगा, लेकिन एक बार जब आपको वह टैग मिल जाता है, तो उसे हटाया नहीं जा सकता।'

कई एक्टर्स के साथ जुड़ा सारा का नाम

इस दौरान आयुष्मान ने सारा के इस रुख को उनके पर्सनल लाइफ से जोड़ते हुए मजाक भी किया। आयुष्मान ने कहा, 'वह इसे जाने नहीं दे रही हैं। सारा उसे जाने दो, उसे भूल जाओ, उसे माफ कर दो। अगर वह दोबारा प्यार करे, तो शायद धोखा न दे।' सारा अली खान का नाम कई अभिनेताओं के साथ जुड़ चुका है। इनमें कार्तिक आर्यन से लेकर सुशांत सिंह राजपूत और वीर पहाड़िया के नाम शामिल हैं। वहीं पिछले साल सारा की अभिनेता-संगीतकार अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ गुरुद्वारे जाते हुए तस्वीरें वायरल हुई थीं। इसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाओं ने जोर पकड़ा था।

फिल्म 'डीसी' से निर्देशक लोकेश कनगराज कर रहे हैं एक्टिंग डेब्यू

वामिका गब्बी मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की सबसे व्यस्त अभिनेत्रियों में से एक हैं। पिछले महीने 'भूत बंगला' की सफलता के बाद कल ही उनकी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज हुई है। अब उनकी आगामी फिल्म 'डीसी' रिलीज को तैयार है। फिल्म का ट्रेलर 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में जारी किया गया है। 'डीसी' से निर्देशक से एक्टर बने लोकेश कनगराज अपना एक्टिंग डेब्यू कर रहे हैं। 3 मिनट 13 सेकंड के इस ट्रेलर में लोकेश कनगराज को देवदास और वामिका को चंद्रा के रूप में दिखाया गया है। ट्रेलर में दिखाया जाता है कि चंद्रा के माता-पिता ने कोलकाता में उसे कई साल पहले अवैध रूप से देह व्यापार में बेच दिया था। अब उसके पास रहने की कोई जगह नहीं है। जल्द ही पता चलता है कि देवदास एक पुलिस वाले और डॉक्टर चंद्रा की हत्या के आरोप में वॉन्टेड है। इसके बाद ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन, खूनखराबा, बम धमाके और गोलीबारी देखने को मिलती है। ट्रेलर में लोकेश के साथ-साथ वामिका भी कई मौकों पर एक्शन करती नजर आती हैं। ट्रेलर का अंत एक रोमांटिक अंदाज में होता है, जहां वामिका और लोकेश सूर्यास्त के समय एक पहाड़ी पर खड़े नजर आते हैं। ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आ गया। हालांकि, अधिकांश यूजर्स ट्रेलर में सबसे ज्यादा प्रभावित अनिरुद्ध के म्यूजिक से हुए हैं। जबकि कई यूजर्स ने ट्रेलर में वामिका और लोकेश की भी जमकर तारीफ की है। फैंस को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग बुरी तरह ट्रोल करते हैं

अभिनेत्री अमीषा पटेल एक्टिंग के साथ ही कई मुद्दों पर भी खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों के ट्रोलिंग कल्चर पर तीखा हमला बोला। अमीषा का कहना है कि भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग हॉलीवुड सितारों से ज्यादा बुरी तरह ट्रोल करते हैं, जो बेहद दुखद और शर्मनाक है। अमीषा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारतीय मानसिकता अब दूसरों को नीचे गिराने वाली हो गई है। अमीषा ने बड़े इवेंट्स में सितारों के लुक और पहनावे को लेकर फैल रही नकारात्मकता पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने इसे 'दुखद' और 'शर्मनाक' बताया। अमीषा ने लिखा, 'भारत में एक्टर्स को अपने ही लोग, हॉलीवुड सितारों की तुलना में उनके अपने देश में ज्यादा बुरी तरह ट्रोल करते हैं, जो बहुत दुख की बात है।' हालांकि, ये कोई पहली बार नहीं है, जब अमीषा पटेल खुलकर अपनी बात रखती नजर आईं। इससे पहले वह एक्टर्स के पीआर गेम को लेकर पहले भी सुर्खियों में रह चुकी हैं। उन्होंने हाल ही में अपने एक्स पोस्ट पर कहा कि वे अपने बयान पर पूरी तरह कायम हैं। दरअसल, मुंबई में पैपराजी से बात करते हुए अमीषा ने कहा था, 'सही तो कहा मैंने। आजकल सभी अपने आप को नंबर वन समझते हैं।' अमीषा ने एक्स पोस्ट पर यंग एक्टर्स पर तंज कसते हुए लिखा था कि जिन्होंने अभी तक कोई 200 करोड़ क्लब की फिल्म नहीं दी है, वे पीआर टीम को पैसे देकर खुद को नंबर 1 और नंबर 2 बता रही हैं। अमीषा ने साफ कहा, 'खुद को सुपरस्टार तभी कहो, जब तुमने कोई ऐसा काम किया हो जो इतिहास रच दे। पीआर के खेल खेलना बंद करो।

अपने पिता कमल हासन की हॉलीवुड फिल्म के लिए यह खास काम करेंगी श्रुति

अभिनेता और राजनेता कमल हासन तमिलनाडु चुनावों के बाद अब वापस फिल्मों में व्यस्त होने जा रहे हैं। चर्चा है कि वे पहली बार एक हॉलीवुड फिल्म में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। उनकी बेटी श्रुति हासन इस फिल्म के लिए एक खास काम करेंगी। एक खबर के अनुसार, कमल हासन एक हॉलीवुड फिल्म में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म की कहानी कमल की बेटी श्रुति हासन लिख रही हैं। हालांकि, अभी तक दोनों की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में उनकी अमेरिका यात्रा को स्टंट डायरेक्टर जोड़ी 'अंबरीव' के साथ आने वाली फिल्म से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अब माना जा रहा है कि यह यात्रा उनकी हॉलीवुड फिल्म के सिलसिले में थी। कमल हासन इस समय कई बड़ी फिल्मों से जुड़े हुए हैं। कमल लगभग 40 साल बाद रजनीकांत के साथ निर्देशक नेल्सन की फिल्म में नजर आएंगे। साथ ही वह रजनीकांत की फिल्म 'थलाइवर 173' को भी सपोर्ट कर रहे हैं।

भोजपुरी इंडस्ट्री के कलाकारों की भी कद्र होने लगी है

फिल्म 'लापता लेडीज' की रिलीज के समय तक सांसद व ऐक्टर रवि किशन को लगता था कि उन्हें हिंदी सिनेमा में कम आंका जा रहा है। फिलहाल, अब उनके लिए रोल लिखे जा रहे हैं। यही नहीं, उनके साथ भोजपुरी इंडस्ट्री के और भी कलाकारों की कद्र होने लगी है। उनके मुताबिक, भगवान शिव को ऐक्टर ने धारण कर रखा है और उनका अनुसरण करके ही वो निस्वार्थ भाव से देश की सेवा के लिए समर्पित हैं। इन दिनों वह 'मामला लीगल है 2' को लेकर चर्चा में हैं।

लोगों की पीड़ाओं को महसूस कर सकता हूं

मैं हालात का मारा इंसान हूं, जो बड़ी जिल्लतों और रिजेक्शन से निकलकर आया है इसलिए मुझमें कभी नेता वाले विचार नहीं आते। हां, मैं सेवक जरूर हूं। मैंने भगवान शिव को धारण किया है कि कंठ में विष है, ना उसे पेट के अंदर लेते हैं और ना ही समाज में बाहर निकालते हैं। मैं अपनी सारी पीड़ाओं, यातनाओं को जेहन में रखकर सिर्फ निःस्वार्थ भाव से सेवा करता हूं। इसके लिए मैं बहुत सेंसटिव रहता हूं। गोरखपुर (संसदीय क्षेत्र) में जो भी मेरे पास आता है, उसकी सुनवाई होनी ही है। मेरे कार्यालय को निर्देश है कि कोई भी फरियादी दोबारा ना आए। एक बार में ही उसका काम हो जाना चाहिए। मैं एक कलाकार हूं और मैंने गरीबी देखी है इसलिए मैं लोगों की पीड़ाओं को महसूस कर सकता हूं।

600 से 700 लोग मेरे शरीर में रहते हैं

मेरे अनगिनत रूप हैं इसलिए जो भी किरदार मिलता है, उसे करता चला जाता हूं। शायद, यही वजह है कि मुझे कभी सोचने का समय ही नहीं मिला कि मेरी पसंद क्या है। अभी मैं एक और फिल्म कर रहा हूं करण जौहर की, उसमें इच्छाधारी अजगर बनकर आऊंगा, जो अपना स्पा चलाता है। जितने लोग असल जिंदगी में मिले हैं, जिन्होंने मुझे प्रभावित किया है, वो सब मेरे शरीर के अंदर से चिल्लाते हैं कि हम कब बाहर आएंगे। ऐसे 600 से 700 लोग अभी भी मेरे शरीर में रहते हैं।

रेंगकर यहां तक पहुंचा हूं

फिल्म 'लापता लेडीज' के बाद अब हिंदी सिनेमा में मेरे लिए रोल लिखे जा रहे हैं। ऐसे में उन सभी लोगों से कहना चाहूंगा, जो सिर्फ सिनेमा में ही नहीं अपनी दुनिया में संघर्ष कर रहे हैं। शराब ना पीएं, ड्रग्स से दूर रहें और सुइसाइड ना करें। आपको घबराना नहीं हैं। जिन्हें डर लगता है, उनको मुझे देखना चाहिए। मैं एक ऐसा इंसान हूं, जो मिट्टी के घर से निकलकर आज यहां तक पहुंचा है। मैं तो रेंगकर ऊपर आया हूं। अपनी खुद की इंडस्ट्री बनाई और खुद को सुपरस्टार घोषित किया।

लोगों ने नया कबूतर पकड़ लिया है

फिल्म धुरंधर को सबको सपोर्ट करना चाहिए था। वह सिर्फ सिनेमा है, कोई प्रपोगेंडा नहीं है। एक शब्द निकला है प्रोपोगेंडा, यह लोगों ने एक नया कबूतर पकड़ लिया है। यह सिनेमा है, इसे 'शोले' की तरह देखें। फिल्म में जो हुआ है, उसे ही बताया गया है। इसके जरिए एक बार फिर सिनेमाघरों में रोनक लौट आई है। इंडस्ट्री की बहुत बुरी हालत थी, लोग हॉल नहीं जा रहे थे। फिल्में नहीं चलेंगी तो लोगों को काम नहीं मिलेगा। मुंबई बहुत महंगा शहर है। ऐसे में ऐक्टर्स का सर्वाइव करना मुश्किल हो जाएगा। मेरी भी ख्वाहिश है कि मैं आदित्य धर के निर्देशन में काम करूं।

पहली बार सुना चूहा गांजा खाता है

मेरे जीवन का सबसे मुश्किल फैसला कलाकार बनना था। पिताजी पुजारी थे, वो इसके सख्त खिलाफ थे। उनको लगता था कि मैं सिर्फ डांसर बनकर रह जाऊंगा। उन्होंने कई बार पिटाई भी की लेकिन मैं नहीं रुका। मुझे लगता है कि मेरी और जहां तक भगवान शिव की भी इच्छा थी कि मैं ऐक्टर बनूं। वेब सीरीज में जज का किरदार निभाकर मुझे उनके काम करने के नियम, कानून क्या-क्या हैं, वो पता चले। सीरीज की कहानी सत्य घटनाओं से प्रेरित है तो सेट पर चर्चाएं हुआ करती थीं। इस दौरान मुझे पता चला कि चूहा गांजा खाता है। हाल ही में गुजरात में ऐसा मामला चर्चा का विषय बना, जिसमें बताया गया कि बीते 12 वर्षों में पकड़े गए 3620 किलोग्राम मादक पदार्थों में से 35 प्रतिशत चूहे खा गए।

भोजपुरी स्टार्स के टैलंट की कद्र हो रही है

रवि किशन और दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' दोनों कलाकार भोजपुरी इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं। अब हिंदी सिनेमा में साथ काम करने को लेकर वे कहते हैं कि मैं बेहद खुश हूं। मैं हमेशा से यही चाहता था कि मेरे सभी जूनियर्स ग्रो करें। आगे भी मेरी ख्वाहिश है कि वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना नाम रोशन करते रहें। मुझे भी उन सबके साथ काम करके मजा आता है। खास बात है कि उनका टैलंट अब दुनिया के सामने आ रहा है और लोग उसकी कद्र कर रहे हैं। यही हर स्टार का सपना होता है कि उसका काम लोगों के दिल-ओ-दिमाग में बस जाए।

हॉस्पिटैलिटी कोर्स के छात्रों को मिले प्रमाण पत्र

कई युवाओं का जॉब इंटरव्यू में हुआ चयन

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के हिल कैंपस तोली, दुधारखाल में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण एवं प्लेसमेंट कार्यक्रम उत्साह एवं गरिमामय वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में हॉस्पिटैलिटी एवं स्किल डेवलपमेंट पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को कोर्स कम्प्लीशन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही कई विद्यार्थियों का विभिन्न संस्थानों में आयोजित जॉब इंटरव्यू के माध्यम से चयन भी हुआ।

कार्यक्रम में कैंपस प्रबंधक मधुसूदन धस्माना ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार परक शिक्षा से जोड़ना संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल पारंपरिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि कौशल आधारित प्रशिक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। हिल कैंपस तोली द्वारा संचालित हॉस्पिटैलिटी कार्यक्रम ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। हॉस्पिटैलिटी विभाग के प्रधानाचार्य संजीव बिंजोला ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद पर्वतीय क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने कार्य क्षेत्र में अनुशासन, समर्पण एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित फैकल्टी सदस्य विजय भट्ट एवं हरीश रावत ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्थान का प्रयास युवाओं को केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि उन्हें उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित करना भी है, ताकि वे देश-विदेश में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य रोहन नेगी, क्षेत्र पंचायत नूतन नेगी, ग्राम प्रधान विकेश खंतवाल, अजय लखेड़ा, अंकुश नेगी, व्यापार मंडल दुधारखाल के वासुदेव भट्ट, सेवानिवृत्त सूबेदार विनोद भट्ट, हमांशु जोशी, आशीष बौंठियाल, राकेश सिंह, आनंद सिंह, सोहित खंतवाल, नीरज नेगी पहाड़ी आदि मौजूद थे।

छात्रों ने साझा किये अनुभव

समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पर्वतीय क्षेत्र में रहकर हॉस्पिटैलिटी जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण प्राप्त करना उनके लिए प्रेरणादायक अनुभव रहा। विद्यार्थियों ने कहा कि संस्थान द्वारा दिए गए प्रशिक्षण से उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है तथा रोजगार के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। वक्ताओं ने कहा कि यदि इसी प्रकार युवाओं को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाते रहे, तो पलायन जैसी समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

धान्यू के जंगलों में आग के बाद धुएं का असर, वायु गुणवत्ता बिगड़ी

रुद्रप्रयाग। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत धान्यू के जंगलों में बीती रात लगी आग के बाद पूरे क्षेत्र में धुएं और धुंध का असर है। जंगलों से उठ रहे धुएं से वायु गुणवत्ता प्रभावित हुई है। इससे लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। बढ़ती वनाग्नि की घटनाओं से पहाड़ों में गर्मी बढ़ती जा रही है और वन संपदा को नुकसान पहुंचा है। आग की चपेट में आने से वन क्षेत्र के पेड़–पौधे और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास प्रभावित हुए हैं। स्थानीय निवासी नीरज मलासी ने कहा कि हर वर्ष गर्मियों में जंगलों में आग की घटनाएं होती है। पर पिरूल निस्तारण का कार्य नही होता है। मंयक ममगाई ने बताया कि जंगलों में आग लगने से पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। वन क्षेत्राधिकारी एचएस. रावत ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही विभागीय टीम को मौके पर भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि अराजक तत्व जंगलों में आगजनी कर रहे हैं जिससे वन संपदा को नुकसान पहुंच रहा है।

चमोली ने एसडीजी रैंकिंग 2024-25 में हासिल किया प्रदेश में तृतीय स्थान

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : नीति आयोग द्वारा जारी एसडीजी इंडिया इंडेक्स रैंकिंग वर्ष 2023-24 में उत्तराखण्ड राज्य ने पूरे देश में 79 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य सरकार द्वारा सतत विकास लक्ष्यों को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपदों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने तथा विकास योजनाओं की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु सीपीपीजीजी, नियोजन विभाग द्वारा जनपदवार एसडीजी रैंकिंग जारी की जाती है। सीपीपीजीजी, नियोजन विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 हेतु जारी जनपदवार एसडीजी रैंकिंग में चमोली जनपद ने 75 अंकों के साथ प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

यह उपलब्धि जनपद में विभिन्न विभागों द्वारा सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत किए गए समन्वित प्रयासों, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशासनिक कार्य संस्कृति का परिणाम है। जनपद को यह पुरस्कार 27 मई 2026 को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में आयोजित एसडीजी एचीवर अवार्ड 2024-25 कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के करकमलों द्वारा जनपद को सम्मानित किया जाएगा। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने इस उपलब्धि पर समस्त विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनपदवासियों को बधाई देते हुए कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सभी विभागों द्वारा समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

झिरमोली के पास मैक्स वाहन दुर्घटनाग्रस्त

रुद्रप्रयाग। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नारकोटा और रुद्रप्रयाग के बीच झिरमोली के समीप शनिवार सुबह एक मैक्स वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के समय वाहन में चालक सहित कुल 9 लोग सवार थे। दुर्घटना में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि अन्य यात्रियों को सामान्य चोटें आई हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग लाया गया है। जहां उनका उपचार चल रहा है। एआरटीओ धर्मेंद्र बिष्ट ने बताया कि घटना वाहन श्रीनगर से रुद्रप्रयाग की ओर आ रहा था। इसी दौरान ओवरटेक करने के प्रयास में वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया और हाइवे के नीचे गुजर रही सड़क पर पलट गया। उन्होंने कहा कि सभी घायलों को वाहन से बाहर निकालकर तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

पीएम के विजन और सीएम के दिशा–निर्देशन में बेहतर चल रही यात्रा: द्विवेदी

रुद्रप्रयाग। बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के दिशा–निर्देशन में चारधाम यात्रा सुगमता से संचालित हो रही है। उन्होंने बताया कि एक माह के भीतर ही पांच लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान बदरीनाथ तथा साढ़े सात लाख से अधिक तीर्थयात्री भगवान केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। अब तक साढ़े तेरह लाख तीर्थयात्रियों ने बदरीनाथ तथा केदारनाथ भगवान के दर्शन किए हैं। बदरीनाथ धाम पहुंचे बीकेटीसी अध्यक्ष ने यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न हकहकूकधारी संगठनों के पदाधिकारियों, होटल एसोसिएशन, तीर्थ पुरोहित, व्यापार सभा और स्थानीय लोगों से बेहतर यात्रा प्रबंधन व व्यवस्थाओं को लेकर संवाद किया, जिसमें हकहकूकधारियों ने अपने सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठनों से मिले सुझावों पर कार्रवाई की जाएगी। कहा कि धाम में यात्रा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं।अध्यक्ष ने बदरीनाथ भगवान के दर्शन किए और विशेष पूजाओं में शामिल हुए। इस मौके पर डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत अध्यक्ष आशुतोष डिमरी, पंडा पंचायत के अध्यक्ष प्रवीण ध्यानी, मंदिर समिति के सदस्य धीरज मोनू पंचभैया, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मेहता, प्रभारी अधिकारी गिरीश चौहान, धर्माधिकारी स्वयंबर सेमवाल, कुबेर देवरा समिति के अध्यक्ष उत्तम मेहता, राम नारायण भंडारी आदि मौजूद रहे।

दिगंबर प्रसाद जोशी बने अध्यक्ष

चमोली। राजकीय इंटर कॉलेज मेलखेत में नई विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति का गठन किया गया है। इसमें दिगंबर प्रसाद जोशी को अध्यक्ष चुना गया। समिति ने सरकार से विद्यालय के लिए मुख्य भवन स्वीकृत करने की मांग की है। प्रधानाचार्य खीम सिंह गड़िया द्वारा बुलाई गई बैठक में पुरानी कार्यकारिणी भंग कर दस सदस्यीय नई समिति बनी। दान सिंह कुंवर उपाध्यक्ष और खीम सिंह गड़िया सचिव चुने गए। बैठक में छात्रों के लिए ड्रेस खरीदने, पिंडर नदी से भूस्खलन रोकने को सुरक्षा दीवार बनाने और शिक्षकों के रिक्त पदों पर तैनाती के प्रस्ताव भी पारित हुए। अध्यक्ष जोशी ने बताया कि 1968 में स्थापित इस विद्यालय के पास मुख्य भवन नहीं है। विभिन्न मांगों को लेकर एक शिष्टमंडल शिक्षा विभाग के अधिकारियों व शिक्षा मंत्री से मिलेगा।

मद्महेश्वर में महाराष्ट्र के श्रद्धालु की मौत

रुद्रप्रयाग। द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर धाम में महाराष्ट्र से आए एक श्रद्धालु की मौत हो गई। गौंडार के ग्राम प्रधान अनूप पंवार ने बताया कि श्रद्धालु की मृत्यु दोपहर करीब 3:30 बजे हुई। मृतक की पहचान रविंद्र प्रभाकर साल्वे, निवासी पुणे, महाराष्ट्र के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद शव को फिलहाल मद्महेश्वर स्थित वन विभाग के कक्ष में रखा गया है। वहीं घटना की सूचना आपदा प्रबंधन और प्रशासन को दे दी गई है, हालांकि समाचार लिखे जाने तक संबंधित विभागीय कर्मी मौके पर नहीं पहुंचे थे।

पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी को दी श्रद्धांजलि

रुद्रप्रयाग। भाजपा जिला कार्यालय में शनिवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री रहे भुवन चंद्र खंडूरी के निधन पर श्रद्धांजलि एवं शोक हुई। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि भुवन चंद्र खंडूरी ने सैनिक जीवन में राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में भी वे अपनी ईमानदारी, सादगी और सुशासन के लिए हमेशा पहचाने जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन की आवाज को संसद और केंद्र सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने शोक संदेश में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और स्वर्णिम चतुर्भुज जैसी ऐतिहासिक योजनाओं के माध्यम से गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, पूर्व जिला अध्यक्ष वाचस्पति सेमवाल, जिला महामंत्री अरुण चमोली, कनिष्ठ प्रमुख सविता भंडारी, अजय सेमवाल, विकास डिमरी, अर्चना चमोली, रोशनी रौथाण, सुरेंद्र बिष्ट आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नंदा देवी राजजात के पैदल मार्ग होंगे दुरस्त, धनराशि स्वीकृत

चमोली। करीब 13 साल बाद आयोजित होने वाली नंदा देवी राजजात के पैदल मार्गों को दुरुस्त करने के लिए जिला पंचायत को एक करोड़ 67 लाख की स्वीकृति मिली है। इनमें जिल पंचायत ने रास्तों के अनुरक्षण कार्य के लिए निविदाएं जारी की गईं हैं। हालांकि श्रीनंदा देवी राजजात समिति ने इस धनराशि को कम बताते हुए रिवाइज करने की मांग की है।

नंदा देवी राजजात की मनौती के बाद अब आयोजन अगस्त–सितंबर 2027 में होना तय है। ऐसे में शासन और स्थानीय प्रशासन भी इस यात्रा की तैयारियों में लगा है। यात्रा के पैदल मार्ग बदहाल स्थिति में है। बीते वर्ष अक्तूबर में अध्ययन दल ने पैदल मार्गों पर चिंता जताई थी। अब जिला पंचायत ने कर्णप्रयाग, देवाल, नंदानगर के छह–छह, नारायणबगड़ के दो और गैरसैंण विकासखंड के एक पैदल मार्ग सहित 21 मार्गों के अनुरक्षण की कवायद शुरू की है। जिला पंचायत के मुख्य कार्याधिकारी तेज सिंह ने बताया कि राजजात के पैदल मार्गों के अनुरक्षण के लिए स्वीकृति मिली हैं इनमें निविदा प्रक्रिया के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

समिति ने जताया एतराज, बोली कम है धनराशि

श्रीनंदा देवी राजजात ऐतिहासिक है। इसके मुख्य मार्ग पर लाखों श्रद्धालु देव छंतोलियों के साथ पैदल जाते हैं। ऐसे में जिला पंचायत की ओर से 10 किमी से अधिक लंबे पैदल मार्ग पर 5 से 7 लाख की धनराशि रखी गई है।

खेल व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में केंद्रीय कमान अंतर-क्लस्टर अंडर-17 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ हुआ।

क्लस्टर स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन द्वारा पहली बार किया जा रहा है। प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल बीरपुर, आर्मी पब्लिक स्कूल नं. 1 रुड़की, आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। शनिवार को डायस स्टेडियम में प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल, कमांडेंट गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, श्रीमती रेखा नेगी द्वारा फुटबॉल को किक मारकर किया गया। प्रथम दिवस का पहला मैच एपीएस बीरपुर एवं एपीएस नं. 1 रुड़की के मध्य खेला गया, जिसमें एपीएस नं. 1 रुड़की ने एपीएस बीरपुर को 2-0 से पराजित किया। दूसरा मैच एपीएस नं. 1 रुड़की एवं एपीएस लैंसडौन के मध्य खेला गया। मैदान में छात्राओं के उत्साह एवं खेल कौशल ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे व्यक्तित्व निर्माण का भी सशक्त माध्यम हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुन्द्रियाल ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनमें टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करती हैं।

राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण के अंग्रेजी विभाग एवं आइक्यूसी के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि साहित्य और सौन्दर्यशास्त्र मानवीय चेतना के विस्तार और सांस्कृतिक समझ के निर्माण के मुख्य आधार हैं। साहित्य जहां जीवन, समाज और संवेदनाओं को शब्दों के माध्यम से प्रस्तुत करता है, वहीं सौन्दर्यशास्त्र हमें उस अभिव्यक्ति में छिपे कलात्मक, नैतिक और आनंदमयी मूल्यों को गहराई से समझने की दृष्टि प्रदान करता है।

वेबिनार का आरम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेन्द्र चन्द्र सिंह एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों द्वारा सरस्वती माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ। वेबिनार में उच्च शिक्षा निदेशक, उत्तर-खण्ड प्रो. वी. एन. खाली विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संरक्षक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए साहित्य और सौन्दर्यशास्त्र की मानवीय चेतना एवं सांस्कृतिक समझ के निर्माण में भूमिका पर प्रकाश डाला। वेबिनार का मुख्य आकर्षण नालंदा विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर एवं गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर प्रो. श्रवण के. शर्मा का व्याख्यान रहा। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की प्रो. मोनिका गुप्ता ने भी भारतीय एवं पाश्चात्य सौन्दर्यशास्त्र पर अपने विद्वत्तापूर्ण विचार प्रस्तुत कर अकादमिक विमर्श को समृद्ध किया। वेबिनार में प्लेनरी वक्ताओं के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज के डॉ. देब दुलाल हलदर व स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के डॉ. विजय प्रधान ने अपने विचार प्रस्तुत किये। हरिद्वार की डॉ. आशिमा श्रवण ने उपाल्टर्न विमर्श, लोक प्रदर्शनकारी कला एवं तुलनात्मक सौन्दर्यशास्त्र जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन्स के रूप में डॉ. रीना वर्मा, डॉ. मुकेश गुप्ता, डॉ. प्रशांत कौशिक, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. वसुंधरा लसपाल ने भारतीय एवं पाश्चात्य सौन्दर्यशास्त्र, नारी चेतना, अलंकार सिद्धांत, उपनिवेश-विमर्श तथा क्वीयर सौन्दर्यबोध जैसे विविध विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस वेबिनार के संयोजक डॉ. हरिओम रावत, सह संयोजक डॉ. प्रमिल्ला चौहान रहे। इस वेबिनार में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया।

नारायणबगड़ के केवर और पालछूनी के जंगल भी जले

चमोली। विकासखंड के जंगलों में आग लगने का सिलसिला जारी रहने से पिंडरघाटी का पर्यावरण दूषित हो गया है। शुक्रवार शाम को ब्लॉक मुख्यालय से सटे केवर गांव के जंगल में किसी अराजक तत्व ने आग लगा दी। देखते–देखते आग ने जंगल के एक बड़े हिस्से को अपने चपेट में ले लिया। वहीं कर्णप्रयाग के बणसोली सहित आस पास के जंगल भी शुक्रवार रात जलते रहे। जंगल के ठीक नीचे नारायणबगड़ बाजार और आवासीय क्षेत्र होने से लोगों में आधी रात तक रिहायशी इलाके में आग फैलने की दहशत बनी रही। वनकर्मियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद वनाग्नि पर काबू पाया लेकिन तब तक जंगल का एक बड़ा भूभाग जल चुका था। दूसरी वनाग्नि की घटना पालछूनी गांव के वन पंचायत के जंगल में हुई और शुक्रवार रात समूचा वनक्षेत्र जल गया। जंगलों में बढ़ती वनाग्नि की घटनाओं ने वन्यजीवों का जीवन खतरे में डाल दिया है और वे जान बचाने के लिए रिहायशी इलाकों में पहुंच रहे हैं। रेंजर अभिषेक भट्ट ने बताया कि वन कर्मियों की टीम लगातार आग बुझाने में जुटी है। आग लगाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बढ़ते तापमान से हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा

चमोली। लगातार बढ़ते तापमान के कारण गर्मी का प्रकोप जारी है जिससे लोग हीट स्ट्रोक से परेशान हैं। अस्पतालों के सामान्य चिकित्सा विभाग में ऐसे 10 से 15 प्रतिशत मरीज पहुंच रहे हैं जिनमें चक्कर आना, उल्टी, सिर और पेट में तेज दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि इस मौसम में शरीर को ठंडा रखना बेहद जरूरी है। उपजिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. सतेंद्र कंडारी ने बताया कि हीट स्ट्रोक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इन दिनों रोजाना उनकी ओपीडी में हीट स्ट्रोक के 15 से 20 मरीज पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही अन्य विशेषज्ञों की ओपीडी में हीट स्ट्रोक के मरीज पहुंच रहे हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए डॉक्टरों ने लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। दोपहर में तेज धूप या अत्यधिक गर्मी में बाहर निकलने से बचना चाहिए। बाहर निकलने पर पर्याप्त पानी पिएं। साथ ही छाते का उपयोग करें।

हीट स्ट्रोक से बचाव के उपाय

कर्णप्रयाग अस्पताल के फिजीशियन डॉ. सतेंद्र कंडारी के अनुसार, हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं।

पॉक्सो एक्ट, बाल श्रम की छात्र छात्राओं को दी जानकारी

रुद्रप्रयाग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज बरसूड़ी में पॉक्सो एक्ट, बाल श्रम और बाल विवाह विषयों पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह ने की। शिविर में छात्र–छात्राओं और ग्रामीणों को पॉक्सो एक्ट के महत्वपूर्ण प्रावधानों तथा बच्चों के अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी कानूनी उपायों की जानकारी दी गई। सचिव ने कहा कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का शोषण गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों की सूचना तत्काल संबंधित विभाग या पुलिस को देनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बाल श्रम और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों पर भी चर्चा की गई। वही पीएलवी ने पॉक्सो एक्ट विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर बच्चों की सुरक्षा और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

चारधाम यात्रा में बढ़ने लगे वाहन तो जवाब देने लगी सड़कें

चमोली। चार धाम यात्रा में तेजी आने से ऋषिकेश–बदरीनाथ, कर्णप्रयाग–नैनीताल, कर्णप्रयाग–ग्वालदम मोटर मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। इससे हर समय कई किमी का जाम लगने से आपातकालीन सेवाओं में दिक्कतेंआ रहीं हैं। चारधाम यात्रा को सुगम बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने करोड़ों की धनराशि ऑल वेदर रोड और हाइवे के निर्माण पर व्यय कर दिए हैं। इसके बाद भी बदरीनाथ हाईवे के कई स्थानों पर अभी सड़क का चौड़ीकरण नहीं हो पाया है। यही नहीं बीते वर्ष बारिश से भूस्खलन प्रभावित कमेड़ा में भी अभी दिक्कत बनी हुई है। कर्णप्रयाग के उमा देवी चौक से राजनगर तक करीब आधा किमी हिस्सा संकरा है। ऐसे में यहां जाम की समस्या बन रही है। बीते शुक्रवार को जहां दिन भर हाईवे पर वाहन रेंगते रहे। वहीं शनिवार दोपहर और अपराह्न को भी कई बार जाम के हालात बने जिसको नियंत्रित करने के लिए थाना निरीक्षक विनोद थपलियाल ने खुद मोर्चा संभाल कर जाम खुलवाया। उन्होंने बताया कि बदरीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा पर जाने वाले वाहनों के दबाव और कई स्थानों पर मोटर मार्ग संकरा होने से जाम लग रहा है।

मद्महेश्वर में बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या, व्यवस्थाओं का है टोटा

रुद्रप्रयाग। 21 मई को द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर धाम के कपाट खुलने के बाद धाम में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। पहले ही दिन जहां 1135 लोगों ने बाबा मध्यमहेश्वर के दर्शन किए थे। इन तीन दिनों में तीन हजार से अधिक श्रद्धाल धाम पहुंच चुके है। यात्रा मार्ग पर गौंडार से लेकर धाम तक मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। पेयजल, बिजली, साफ–सफाई और यात्रा मार्ग की स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई हैं। ग्राम प्रधान अनूप पंवार ने बताया कि पिछले वर्षों में यात्रा शुरू होने से पहले यात्रा मार्ग की लोनिवि साफ–सफाई कर मार्ग की व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर लिया जाता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि दो महीने पहले जल संस्थान ने क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक व्यवस्था सुचारू नहीं हो पाई है। नानू से लेकर मंदिर क्षेत्र तक पेयजल की समस्या बनी हुई है। उन्होंने बताया कि यात्रा मार्ग पर कई जगह विद्युत व्यवस्था नहीं है और मंदिर क्षेत्र तक बिजली की व्यवस्था पूरी तरह सुचारू नहीं हो पाई है। यहां सोलर के माध्यम से लोग बिजली की करते है। इस तरह व्यवस्थाओं के अभाव में प्रतिदिन करीब 150 श्रद्धालु खुले में रात बिताने को मजबूर हैं। ग्राम प्रधान ने बताया रांसी से गौंडार तक निर्माणाधीन सड़क पर पिछले चार वर्षों से कार्य चल रहा है, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हो पाया है, जिससे स्थानीय लोगों और यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचकेदारों में प्रमुख धामों में शामिल मद्महेश्वर की लगातार उपेक्षा की जा रही है।

जल संस्थान के अधिशासी अभियंता सुभाष चंद्र जुयाल ने बताया कि मध्यमहेश्वर यात्रा मार्ग पर पेयजल व्यवस्था दुरस्त की जा रही है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहां योजना पर कार्य करने लिए पाइप मंगवाए गए हैं और एक सप्ताह के भीतर पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया जाएगा।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

रजत पाटीदार ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, क्रिस गेल को पीछे छोड़ आईपीएल में रचा इतिहास

नई दिल्ली।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने इंडियन प्रीमियर लीग में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने आईपीएल करियर के 100 छक्के पूरे किए और इस मामले में टी20 क्रिकेट के दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। पाटीदार ने यह उपलब्धि सिर्फ 933 गेंदों में हासिल की, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रजत पाटीदार ने 56 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और एक लंबा छक्का लगाया। इसी छक्के के साथ उन्होंने आईपीएल में 100 सिक्स पूरे किए। इससे पहले क्रिस गेल ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 943 गेंदों का सामना किया था। पाटीदार ने उनसे 10 गेंद कम लेकर यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हालांकि आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने के मामले में पाटीदार अभी तीसरे स्थान पर हैं। इस सूची में वेस्टइंडीज के विस्फोटक ऑलराउंडर आंद्रे रसेल शीर्ष पर बने हुए हैं। रसेल ने सिर्फ 657 गेंदों में 100 छक्के पूरे कर दिए थे।

प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी केकेआर और दिल्ली, जीत के अलावा कोई विकल्प नहीं

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लीग चरण का आखिरी मुकाबला रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा रहने वाला है, क्योंकि प्लेऑफ की धुंधली उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत जरूरी है। हालांकि यह भी संभव है कि मैच शुरू होने से पहले ही दोनों में से किसी एक टीम की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो जाए। अंक तालिका में फिलहाल कोलकाता नाइट राइडर्स छठे स्थान पर है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स आठवें नंबर पर मौजूद है। दोनों टीमें अभी भी गणितीय रूप से प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं, लेकिन उनकी राह बेहद मुश्किल नजर आ रही है। प्लेऑफ की चौथी सीट के लिए सबसे मजबूत दावेदार पंजाब किंग्स मानी जा रही है, जिसका मुकाबला शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से होना है। यदि पंजाब यह मैच जीत जाती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे और दिल्ली की उम्मीदें वहीं खत्म हो जाएंगी, क्योंकि वह अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स के पास अभी 13 अंक हैं और वह दिल्ली को हराकर 15 अंकों तक पहुंच सकती है। लेकिन सिर्फ जीत काफी नहीं होगी। पंजाब किंग्स का नेट रन रेट कोलकाता से काफी बेहतर है। ऐसे में अगर पंजाब लखनऊ को मामूली अंतर से भी हरा देती है, तो कोलकाता को दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी पड़ेगी। आंकड़ों के अनुसार पंजाब की एक रन की जीत की स्थिति में कोलकाता को दिल्ली को कम से कम 52 रन से हराना होगा। इसके साथ ही उसे राजस्थान रॉयल्स की हार की भी उम्मीद करनी होगी। राजस्थान के 14 अंक हैं और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत उसे सीधे प्लेऑफ में पहुंचा सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन की खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। टीम ने अपने पिछले सात मुकाबलों में से छह में जीत दर्ज कर खुद को प्लेऑफ की दौड़ में बनाए रखा। शुरुआती दौर में टीम को अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति का खामियाजा भुगतना पड़ा था। मुस्तफिजुर रहमान, हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना अलग-अलग कारणों से कई मुकाबलों में नहीं खेल सके। वहीं चोट से वापसी कर रहे कैमरन ग्रीन भी

शुरुआती मैचों में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। हालांकि टीम को इस अहम मुकाबले में अपने सबसे सफल बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी की कमी खलेगी। उन्होंने इस सीजन में पांच अर्धशतकों की मदद से 422 रन बनाए हैं। इसके अलावा स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी चोट से जूझ रहे हैं और टीम प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार उनके खेलने पर फैसला करेगा। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स ने पूरे सीजन में कई अहम मौके गंवाए, जिसका असर उसकी स्थिति पर पड़ा। टीम की बल्लेबाजी काफी हद तक केएल राहुल पर निर्भर रही है।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद टॉप-2 में नहीं पहुंच सकी सनराइजर्स, डेनियल विटोरी ने बताई टीम की सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली ।

सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में टीम के शानदार प्रदर्शन का श्रेय शीर्ष क्रम के विस्फोटक बल्लेबाजों और अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण को दिया है। हालांकि टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 55 रन की शानदार जीत के बावजूद नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह नहीं बना सकी और तीसरे स्थान पर रही। अब सनराइजर्स को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना होगा। मैच के बाद डेनियल विटोरी ने कहा कि टीम ने पूरे सीजन में बेहतरीन क्रिकेट खेली है और नौ जीत दर्ज करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हर चीज हासिल करना संभव नहीं होता, लेकिन जिस तरह खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया, उससे टीम संतुष्ट है। विटोरी ने माना कि नेट रन रेट के कारण टीम थोड़ा पीछे रह गई, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। सनराइजर्स हैदराबाद अब बुधवार को एलिमिनेटर मुकाबले में मैदान पर उतरेगी। प्लेऑफ से पहले विटोरी ने टीम के मध्यक्रम को लेकर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने पूरे सीजन में इतनी शानदार बल्लेबाजी की कि मध्यक्रम को ज्यादा मौके ही नहीं मिले। ऐसे में बड़े मुकाबलों से पहले टीम इस पहलू पर ध्यान देगी ताकि जरूरत पड़ने पर मध्यक्रम भी दबाव संभाल सके। विटोरी ने टीम के तेज गेंदबाजों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ईशान मलिंगा, पैट कमिंस और साकिब हुसैन की तिकड़ी ने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में बड़ा अंतर पैदा किया। उनके अनुसार गेंदबाजों ने बल्लेबाजों का शानदार साथ दिया और यही वजह रही कि टीम लगातार जीत दर्ज करने में सफल रही। विटोरी ने कहा कि उनकी रणनीति हमेशा पांचवें और छठे गेंदबाज के विकल्प पर आधारित रहती है और यह टीम संतुलन के लिए बेहद अहम होता है। उन्होंने बताया कि पिच की परिस्थितियों को देखते हुए टीम ने इस मुकाबले में हर्षल पटेल को मौका दिया था, लेकिन टीम के पास प्रफुल्ल हिंगे और हर्ष दुबे जैसे विकल्प भी मौजूद हैं। विटोरी ने कहा कि पिछले 12 मैचों में से आठ में जीत दर्ज करना टीम के सामूहिक प्रदर्शन को दर्शाता है ।

गली क्रिकेट में गांगुली ने लगाया शतक

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने एक बार फिर अपने पुराने अंदाज से क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया है। 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' और 'ऑफ साइड के भगवान' के नाम से मशहूर गांगुली ने करीब 14 साल बाद गली क्रिकेट में बल्ला थामा और धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जड़ दिया। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। सौरव गांगुली ने साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि इसके बाद वह कुछ समय तक इंडियन प्रीमियर लीग में खेलते रहे, लेकिन 2012 के बाद उन्होंने पूरी तरह पेशेवर क्रिकेट से दूरी बना ली थी। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली लगातार प्रशासनिक भूमिकाओं में सक्रिय रहे और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष पद तक की जिम्मेदारी भी संभाली। लंबे समय बाद उन्हें बल्ले के साथ मैदान पर देखकर फैंस पुराने दिनों को याद करने लगे। हाल ही में खेले गए एक गली क्रिकेट मुकाबले में सौरव गांगुली ने अपनी क्लास और आक्रामकता दोनों का शानदार प्रदर्शन किया। वायरल वीडियो के मुताबिक उन्होंने सिर्फ 68 गेंदों में 132 रन की विस्फोटक पारी खेली। मैच के दौरान एक खास नियम बनाया गया था कि गांगुली को तीन बार आउट होने के बाद भी बल्लेबाजी जारी रखने की अनुमति होगी। लेकिन दादा ने अपने अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि उनके लिए एक मौका ही काफी है। हालांकि मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों के आग्रह पर वह दो बार बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हो गए। इसके बाद गांगुली ने चौकों और छक्कों की झड़ी लगा दी और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। सौरव गांगुली का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर बेहद शानदार रहा है।

जैकब बेथल को इंग्लैंड लौटने की सलाह, माइकल वॉन बोले- अब राष्ट्रीय टीम को दें प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथल के लिए अब तक उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है। शानदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के बाद बड़े भरोसे के साथ आईपीएल में उतरे बेथल इस सीजन में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें टूर्नामेंट छोड़कर तुरंत स्वदेश लौटने की सलाह दी है। वॉन का मानना है कि चोट और प्लेइंग इलेवन में अनिश्चितता को देखते हुए अब उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता देनी चाहिए। जैकब बेथल ने इस सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए नौ मुकाबले खेले, लेकिन वह केवल 163 रन ही बना सके। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में संघर्षपूर्ण रहा। पंजाब किंग्स के खिलाफ 17 मई को खेले गए मुकाबले के बाद वह मैदान पर नजर नहीं आए। उंगली में लगी चोट के कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 22 मई को खेले गए अहम लीग मुकाबले से भी बाहर रहे। बेथल की गैरमौजूदगी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना पड़ा। टीम ने वेंकटेश अय्यर को विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी दी। वहीं टीम प्रबंधन प्लेऑफ मुकाबलों के लिए इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट की वापसी का इंतजार कर रहा है। कप्तान रजत पाटीदार भी उंगली की चोट से उबरने के बाद टीम में लौट आए हैं, जिससे बेथल की अंतिम एकादश में वापसी और भी मुश्किल नजर आ

रही है। इसी बीच इंग्लैंड को 4 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। माइकल वॉन का कहना है कि यदि जैकब बेथल आईपीएल के नॉकआउट मुकाबलों में खेलने की स्थिति में नहीं हैं तो उन्हें तुरंत इंग्लैंड लौटकर अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड टीम प्रबंधन को यह जानना जरूरी है कि बेथल पूरी तरह फिट हैं या नहीं, ताकि टेस्ट सीरीज के लिए सही फैसला लिया जा सके। एक बातचीत में वॉन ने कहा कि अगर बेथल चोटिल हैं तो उन्हें अगली फ्लाइट पकड़कर इंग्लैंड लौट जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड का ट्रेनिंग कैंप अगले सप्ताह शुरू होने वाला है और राष्ट्रीय टीम की तैयारियां ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। हालांकि वॉन ने माना कि आईपीएल का अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम होता है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में बेथल के लिए देश की जिम्मेदारी को प्राथमिकता देना ज्यादा उचित रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

सचिन तेंदुलकर ने साझा की बचपन की खास याद, बोले- ये बच्चे देश का भविष्य हैं

नई दिल्ली।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के लिए 'एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल' यानी ईएसए पहल सिर्फ इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़ा एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक और व्यक्तिगत पहल है। मुंबई इंडियंस के वार्षिक ईएसए मैच से पहले सचिन ने अपने बचपन की एक खास याद साझा करते हुए बताया कि कैसे वानखेड़े स्टेडियम में बिताए गए कुछ पल आज भी उनके दिल में बसे हुए हैं। उनका मानना है कि इस बार मैच देखने आने वाले हजारों बच्चों के लिए भी यह अनुभव जीवनभर यादगार रहने वाला है। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम में होने वाला ईएसए मैच हमेशा बेहद खास होता है। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक बड़े-बड़े मुकाबले खेलने के बाद खिलाड़ी विशाल भीड़ के सामने खेलने के आदी हो जाते हैं, लेकिन जब हजारों बच्चे स्टैंड में बैठकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हैं, तो वह अनुभव बिल्कुल अलग होता है। सचिन के अनुसार खिलाड़ियों के लिए भी यह बेहद भावुक और प्रेरणादायक माहौल होता है। रविवार को जब मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स की टीमें आमने-सामने होंगी, तब वानखेड़े स्टेडियम सिर्फ क्रिकेट का मैदान नहीं रहेगा, बल्कि बच्चों के सपनों और खुशियों का केंद्र बन जाएगा। रिलायंस फाउंडेशन की ईएसए पहल के तहत मुंबई, महाराष्ट्र और गुजरात के पिछड़े इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों, गांवों और विशेष जरूरतों वाले स्कूलों से 20 हजार से ज्यादा बच्चों को मैच देखने के लिए लाया जाएगा। इस पहल की शुरुआत नीता अंबानी ने की थी, जिसका उद्देश्य शिक्षा और खेल के जरिए बच्चों को प्रेरित करना है। इस बार पहली बार नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के 100 दृष्टिहीन बच्चे भी इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। वे अपने साथियों के साथ स्टेडियम में बैठकर मैच का अनुभव करेंगे। सचिन तेंदुलकर ने इस मौके पर 1983 की एक याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि जब वेस्टइंडीज की दिग्गज टीम भारत दौरे पर आई थी, तब वह वानखेड़े स्टेडियम के नॉर्थ स्टैंड में बैठकर भारतीय टीम का समर्थन कर रहे थे। सचिन ने कहा कि वह अनुभव आज भी उनके दिल में ताजा है और उन्हें विश्वास है कि आज स्टेडियम में आने वाले बच्चों के साथ भी ऐसी ही यादें जीवनभर रहेंगी। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि ये बच्चे देश का भविष्य हैं और आज यदि हम उनके लिए कुछ बेहतर कर सकते हैं, तो उसका सकारात्मक असर आने वाले समय में पूरे देश पर दिखाई देगा।

प्लेऑफ की जंग से पहले केकेआर को बड़ा झटका, अंगकृष रघुवंशी आईपीएल 2026 से बाहर

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार वापसी कर प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने इसकी आधिकारिक जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। टीम के अनुसार मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 मई को खेले गए मुकाबले के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में रघुवंशी को सिर में चोट लगी थी। इसके साथ ही उनके बाएं हाथ की उंगली में फ्रैक्चर भी पाया गया, जिसके चलते वह आईपीएल 2026 के बाकी मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने बयान में कहा कि टीम अंगकृष रघुवंशी के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना करती है। 21 वर्षीय युवा बल्लेबाज इस सीजन में टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। विकेटकीपिंग के साथ-साथ उन्होंने बल्ले से भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया और कई अहम पारियां खेलीं। अंगकृष रघुवंशी ने आईपीएल 2026 में 13 मैचों की 12 पारियों में 422 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 42.20 और स्ट्राइक रेट 146.52 का रहा। उन्होंने पूरे सीजन में पांच अर्धशतक लगाए, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 82 रन रहा। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और लगातार रन बनाने की क्षमता ने केकेआर को मुश्किल परिस्थितियों में कई बार संभाला। अब रघुवंशी की गैरमौजूदगी टीम के लिए सबसे अहम मुकाबले से पहले बड़ी चिंता बन गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स का लीग चरण का आखिरी मुकाबला 24 मई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला जाएगा। प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए केकेआर को यह मैच हर हाल में जीतना होगा। ऐसे में टीम के सबसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज का बाहर होना बड़ा नुकसान माना जा रहा है। हालांकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन में शानदार वापसी कर सभी को चौंकाया है। टीम ने शुरुआती छह मैचों में से पांच गंवा दिए थे और उसके खाते में सिर्फ एक अंक था। उस समय केकेआर

के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बेहद कम मानी जा रही थी। लेकिन बाद के मुकाबलों में टीम ने दमदार प्रदर्शन किया और सात मैचों में लगातार जीत हासिल कर 12 अंक जुटाए। इस शानदार वापसी ने टीम को फिर से प्लेऑफ की दौड़ में ला खड़ा किया। अब कोलकाता को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ-साथ अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा।

एक फेक न्यूज ने बदल दी आईपीएल खिलाड़ी की किस्मत, 6 साल बाद मिला इंसाफ

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2017 की नीलामी कई खिलाड़ियों के लिए सपनों को सच करने का मौका लेकर आई थी। उसी नीलामी में मध्यप्रदेश के बल्लेबाज हरप्रीत सिंह भाटिया भी शामिल थे, जिन पर कई फ्रेंचाइजी की नजर थी। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर उनसे बड़ी उम्मीदें की जा रही थीं, लेकिन नीलामी से ठीक पहले आई एक गलत खबर ने उनका पूरा करियर झकझोर कर रख दिया। एक फेक न्यूज और पहचान की गलती के कारण हरप्रीत सिंह भाटिया को ऐसा नुकसान उठाना पड़ा, जिसकी भरपाई होने में छह साल लग गए। दरअसल आईपीएल 2017 की नीलामी से पहले मुंबई में एक विवादित घटना सामने आई थी। पूर्व अंडर-19 क्रिकेटर हरमीत सिंह को अंधेरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर कथित तौर पर कार चलाने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। मामला गंभीर था और तेजी से चर्चा में आ गया। इसी दौरान एक बड़ी समाचार एजेंसी ने गलती से हरमीत सिंह की जगह हरप्रीत सिंह भाटिया का नाम और तस्वीर खबर में चला दी। यही गलती हरप्रीत के करियर पर भारी पड़ गई। उस समय हरप्रीत सिंह भाटिया शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाए थे और कई आईपीएल टीमें उन्हें खरीदने की तैयारी कर रही थीं। लेकिन आपराधिक मामले से जुड़ी इस गलत खबर के सामने आने के बाद फ्रेंचाइजियां सतर्क हो गईं। किसी भी टीम ने विवादों में घिरे खिलाड़ी पर दांव लगाने का जोखिम नहीं उठाया। नतीजा यह हुआ कि हरप्रीत सिंह भाटिया नीलामी में अनसोल्ड रह गए। बाद में समाचार एजेंसी ने अपनी गलती सुधारते हुए स्पष्टीकरण जारी किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। नीलामी समाप्त हो चुकी थी और हरप्रीत का पूरा सीजन बर्बाद हो गया। हालांकि इस बड़े झटके के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और घरेलू क्रिकेट में लगातार मेहनत करते रहे।

आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और आईपीएल 2023 की नीलामी में पंजाब किंग्स ने उन्हें उनके बेस प्राइस पर टीम में शामिल किया। पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए हरप्रीत सिंह भाटिया ने खुद को साबित भी किया।

विराट कोहली और ट्रैविस हेड विवाद ने पकड़ा तूल, इंस्टाग्राम पोस्ट से बढ़ी चर्चा

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेले गए मुकाबले के बाद विराट कोहली और ट्रैविस हेड के बीच हुए विवाद ने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है। मैच खत्म होने के बाद विराट कोहली द्वारा ट्रैविस हेड से हाथ नहीं मिलाने की घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इसी बीच ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड की एक इंस्टाग्राम स्टोरी ने इस विवाद को और चर्चा में ला दिया है। ट्रैविस हेड ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मैच के दौरान गेंदबाजी करते हुए अपनी एक तस्वीर साझा की। खास बात यह रही कि हेड आमतौर पर गेंदबाजी नहीं करते, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने गेंद हाथ में लिया और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार का विकेट भी हासिल किया।

सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे जो रूट? इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली ।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। 15,921 रनों का यह ऐतिहासिक आंकड़ा लंबे समय तक अटूट माना जाता रहा, लेकिन अब इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट इस रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर रूट ने क्रिकेट जगत में इस बहस को तेज कर दिया है कि क्या वह सचिन का यह महान रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे। जो रूट इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनके नाम 13,943 रन दर्ज हैं और वह सचिन तेंदुलकर से सिर्फ 1,978 रन पीछे हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए माना जा रहा है कि अगर रूट फिट रहते हैं और अगले दो साल तक इसी निरंतरता के साथ खेलते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड तक पहुंच सकते हैं।

एटीपी राउंडअप- हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में पहुंचे टॉमी पॉल, लर्नर टिएन ने भी बनाई खिताबी मुकाबले में जगह

हैम्बर्ग,

23 मई (आईएएनएस)। टॉमी पॉल ने जर्मनी में शुक्रवार को हुए सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को 2-6, 6-3, 6-3 से हराकर हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। छठी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी पहला सेट हारने और दूसरे में 3-0 से पिछड़ने के बाद सीधे सेटों में हारने की राह पर लग रहे थे। हालांकि, पॉल ने लगातार नौ गेम जीतकर मैच का रुख बदल दिया और आखिरी सेट पर कंट्रोल कर लिया। इस जीत के साथ ही 28 वर्षीय पॉल अपने 10वें एटीपी टूर-फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले पिछले महीने ह्यूस्टन में उन्होंने खिताब जीता था। भले ही डी मिनौर ने 17 में से 13 ब्रेक पॉइंट बचाए, लेकिन उन्हें अपनी दूसरी सर्व में दिक्कत हुई, और वे उनमें से सिर्फ 44 प्रतिशत पॉइंट ही जीत पाए, क्योंकि पॉल ने बेसलाइन से उन्हें धीरे-धीरे थका दिया था। पॉल अब फाइनल में इग्नासियो बुसे से मुकाबला करेंगे। 22 साल के बुसे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लकी लूजर एलेक्जेंडर कोवासेविक को सिर्फ 64 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। बुसे 2007 में लुइस हॉर्ना के बाद एटीपी टूर-लेवल के फाइनल में पहुंचने वाले पेरू के पहले खिलाड़ी हैं। इस बीच, स्विट्जरलैंड में जिनेवा ओपन में बुब्लिक को 6-1, 4-6, 7-6(5) से हराकर अपने करियर के पहले क्ले-कोर्ट फाइनल में जगह बनाई। आखिरी सेट के टाईब्रेक में 6-1 की बढ़त बनाने के बाद टिएन आसान जीत की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन घबराहट में उन्होंने चार मैच पॉइंट गंवा दिए और आखिरकार अपने पांचवें मौके पर जीत हासिल की। 20 वर्षीय टिएन 1990 में सर्गी ब्रुगुएरा के बाद सबसे कम उम्र में जिनेवा

एआई आधारित क्रिकेट प्लेटफॉर्म काबुनी से जुड़े एबी डी विलियर्स

युवा खिलाड़ियों को मिलेगा विश्वस्तरीय मार्गदर्शन

नई दिल्ली ।

क्रिकेट ट्रेनिंग को नई दिशा देने वाले एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज कप्तान एबी डी विलियर्स को अपना सुपर कोच नियुक्त किया है। एबी डी विलियर्स के जुड़ने को कंपनी ने अपने मिशन की बड़ी उपलब्धि बताया है। काबुनी का उद्देश्य आधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव को जोड़ते हुए हर स्तर के खिलाड़ियों तक बेहतरीन कोचिंग पहुंचाना है। एबी डी विलियर्स अब इस प्लेटफॉर्म पर पहले से जुड़े सौरव गांगुली और शेन वॉटसन जैसे दिग्गजों के साथ काम करेंगे। कंपनी का मानना है कि एबी डी विलियर्स के अनुभव और काबुनी की अत्याधुनिक तकनीक का मेल युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट सीखने का बिल्कुल नया तरीका देगा। इस सहयोग के तहत भारत में 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए जून से एक राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट भी शुरू किया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को एबी डी विलियर्स की टीम के लिए खेलने का अवसर मिल सकेगा। इस पूरी प्रक्रिया में काबुनी की एआई तकनीक का उपयोग किया जाएगा। काबुनी का प्लेटफॉर्म पारंपरिक क्रिकेट नेट प्रैक्टिस से अलग काम करता है। यह खिलाड़ी की मूवमेंट, शॉट चयन और गेंद की दिशा को रियल टाइम में ट्रैक करता है और फिर उसे आसान तथा उपयोगी फीडबैक में बदल देता है।